उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 21 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 22 जून-2026

अंदर के पृष्ठ पर

योग सप्ताह के प्रथम दिन नानाराव पार्क में हुआ सामूहिक योगाभ्यास 8

केशव प्रसाद मौर्य का चौंकाने वाला दावा, समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद संपर्क में 5

कोलकाता के रेड रोड से पीएम मोदी ने किया अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 का नेतृत्व

» 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' बना वैश्विक संदेश

» 21वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देश-विदेश में भव्य आयोजन; 210 से अधिक भारतीय मिशनों ने 2,500 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता। 12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोलकाता के ऐतिहासिक रेड रोड से राष्ट्रीय समारोह का नेतृत्व किया। इस वर्ष योग दिवस का विषय 'स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग' रखा गया है, जिसका उद्देश्य शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए योग को आजीवन अभ्यास के रूप में बढ़ावा देना है।

सुबह से जारी मुख्य कार्यक्रम में हजारों लोगों ने कॉमन योगा प्रोटोकॉल का अभ्यास किया, जबकि भारत और विदेशों से लाखों लोग वर्चुअल माध्यम से जुड़े। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हिमालय से लेकर हिंद महासागर तक और पूर्वोत्तर से लेकर सौराष्ट्र तक पूरा भारत योग की ऊर्जा से सराबोर दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और योग का संबंध हजारों वर्षों पुराना है। भारत की प्राचीन परंपराओं से निकला योग आज एक वैश्विक जन-आंदोलन बन चुका है, जो शारीरिक फिटनेस, मानसिक शांति और समग्र कल्याण का माध्यम बन रहा है।

दुनिया के 2,500 स्थानों पर योग कार्यक्रम

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के समन्वय से दुनिया भर में 210 से अधिक भारतीय दूतावासों और मिशनों ने लगभग 2,500 स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए।

योग संगम पोर्टल पर 6 लाख से अधिक पंजीकरण

मुख्य समारोह से पहले आयुष मंत्रालय के योग संगम पोर्टल ने महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए 6 लाख से अधिक संगठनों और संस्थानों का पंजीकरण दर्ज किया। मंत्रालय के अनुसार यह योग को जन-जन तक पहुंचाने के प्रति लोगों के बढ़ते उत्साह और सहभागिता का प्रमाण है।

100 विरासत स्थलों पर विशेष आयोजन

योग दिवस को सांस्कृतिक आयाम देने के लिए संस्कृति मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने देश के 100 प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों पर विशेष योग कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें लाल किला, कोर्णाक सूर्य मंदिर, हंपी, महाबलिपुरम, सारनाथ और लेह सहित कई प्रमुख स्थल शामिल हैं।

2014 में संयुक्त राष्ट्र ने दी थी मान्यता

योग की वैश्विक स्वीकार्यता को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2014 में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 69वें सत्र में इसका प्रस्ताव रखा था, जिसे 175 देशों का समर्थन प्राप्त हुआ। पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया था। इसके बाद 2016 में ह्श्वस्ष्टह्र ने योग को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।

सभ्यता की विरासत है योग

योग विश्व की सबसे प्राचीन ज्ञान परंपराओं में से एक माना जाता है। इसकी जड़ें सिंधु-सरस्वती सभ्यता तक पहुंचती हैं। संस्कृत का 'योग' शब्द 'जोड़ने' या 'एकता' का प्रतीक है।

वेदों, उपनिषदों, बौद्ध और जैन साहित्य के साथ-साथ महाभारत और रामायण में भी योग का उल्लेख मिलता है। बाद में महर्षि पतंजलि ने योग सूत्रों के माध्यम से इसकी दार्शनिक और व्यावहारिक संरचना को व्यवस्थित रूप प्रदान किया।

बुंदेलखंड की तोप से कांप रहे दुश्मन, योगी बोले- अब माफिया नहीं, विकास का राज

» अब माफिया नहीं, महोबा की तोपें बोल रही हैं

» लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया

» गोरखगिरी स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना

» बीपीएस न्यूज

महोबा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महोबा में 697.07 करोड़ रुपये की 88 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने गोरखगिरी मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए बुंदेलखंड के सर्वांगीण विकास पर जोर दिया।

भीषण गर्मी और तीखी धूप के बावजूद जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ ने योगी-मोदी के जयकारों के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। महोबा पहुंचने पर मुख्यमंत्री सबसे पहले पर्यटन तीर्थ के रूप में विकसित की जा रही गोरखगिरी पहुंचे। वहां उन्होंने चल रहे विकास कार्यों का बारीकी से जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इसके बाद मुख्यमंत्री ने गोरखगिरी स्थित मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। विकास परियोजनाओं की सौगात देने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने बुंदेलखंड के बदलते स्वरूप पर चर्चा की।

उन्होंने कहा कि आज महोबा समेत पूरा बुंदेलखंड विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुका है। सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हर वर्ग तक पहुंचाया जा रहा है। सीएम ने इस दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज बुंदेलखंड में बनी तोप और मिसाइलें न केवल देश की रक्षा कर रही हैं, बल्कि दुश्मनों को थर-थर कांपने पर मजबूर कर रही है। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता के लिए कड़े निर्देश दिए।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद: एसआईटी जांच के बीच बढ़ा सियासी और कानूनी घमासान

» सोना-चांदी और हीरे जड़ी ईंटों के गायब होने का भी दावा

» दो कर्मचारियों की गिरफ्तारी, नकदी बरामद

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या अयोध्या स्थित श्री राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई दान राशि और कीमती चढ़ावे में कथित गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर विवाद गहरा गया है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय विशेष जांच दल ने मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि मंदिर में चढ़ावे के रूप में प्राप्त करोड़ों रुपये और बहुमूल्य वस्तुओं के प्रबंधन में अनियमितताएं हुई हैं।

विवाद उस समय और बढ़ गया जब अखिलेश यादव ने करोड़ों रुपये के कथित गबन का आरोप लगाते हुए न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग की। इसके बाद मामले ने राजनीतिक रंग भी ले लिया।

विवाद की शुरुआत तब हुई जब मंदिर के पूर्व लेखा प्रभारी होने का दावा करने वाले महिपाल सिंह ने आरोप लगाया कि समय-समय पर मंदिर के चढ़ावे से करीब 7 करोड़ रुपये की चोरी हुई है और यह कोई एक बार की घटना नहीं, बल्कि लगातार चल रही प्रक्रिया थी।

महिपाल सिंह का दावा है कि उन्होंने इस संबंध में चंपत राय और ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों को जानकारी दी थी। उनका आरोप है कि शिकायत करने के अगले ही दिन उन्हें पद से हटा दिया गया और लगभग आठ महीने की सीसीटीवी फुटेज भी हटा दी गई।हालांकि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आंतरिक ऑडिट में किसी प्रकार की वित्तीय अनियमितता सामने नहीं आई है।

मामले ने नया मोड़ तब लिया जब पुलिस ने मंदिर से जुड़े दो कर्मचारियों को गिरफ्तार किया। रिपोर्टों के अनुसार इनमें से एक कर्मचारी के घर से 10 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। इसके बाद आरोपों की गंभीरता और बढ़ गई।

वहीं, श्रीकृष्ण जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी महाराज ने मंदिर की दान और राजस्व प्रबंधन प्रणाली की जांच के लिए सीबीआई जांच की मांग की है।राम जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ता संतोष दुबे ने पुलिस में शिकायत देकर ट्रस्ट पदाधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान दान में मिली करीब 1,250 किलोग्राम सोना, चांदी और हीरे जड़ी ईंटों का भी कोई स्पष्ट हिसाब नहीं है।

एसआईटी ध्यान रखे, कहीं जांच की रिपोर्ट ही चोरी न हो जाए: अखिलेश

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे में गबन को लेकर भाजपा व राममंदिर ट्रस्ट से जुड़े हुए लोग विपक्ष के निशाने पर हैं। मामले में राज्य सरकार व केंद्र सरकार पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल तो यही है कि एसआईओ का गठन हो गया। जांच भी हो रही है पर अभी तक एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। मामले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को तंज कसा है। उन्होंने एक्स पर कहा कि एसआईटी ध्यान रखे कहीं जांच की रिपोर्ट ही चोरी न हो जाए। फिर कहेंगे 15 दिन और इंतज़ार कर लो। दिन इसलिए बढ़ा रहे हैं, क्योंकि सबूत ठिकाने लगा रहे हैं।उल्लेखनीय है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर अखिलेश यादव ने पहला ट्वीट किया था तब इसे लेकर जमकर हंगामा हुआ और खूब आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। बताया जा रहा है कि एसआईटी की टीम प्रकरण में पूछताछ कर लखनऊ लौट चुकी है और अब रिपोर्ट को अंतिम रूप दे रही है। बताया जा रहा है कि एसआईटी की टीम सोमवार को रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप सकती है।गबन प्रकरण की जांच कर रही एसआईटी शनिवार देर रात अयोध्या से लखनऊ के लिए रवाना हो गई। सूत्रों के अनुसार जांच रिपोर्ट लगभग 140 पन्नों की तैयार की गई है, जिसमें मामले से जुड़े विभिन्न तथ्यों और साक्ष्यों का विस्तृत उल्लेख किया गया है। हालांकि एसआईटी के करीब 20 सहयोगी सदस्य अभी भी राम जन्मभूमि परिसर में मौजूद हैं ।

उत्तराखंड सरकार की चेतावनी, कर्णप्रयाग निहंग सिख विवाद मामले को सांप्रदायिक रंग देने वालों के खिलाफ होगा एक्शन

चारधाम एवं श्री हेमकुंड साहिब यात्रा के दौरान हाल ही में सामने आए विवादित प्रकरण को लेकर उत्तराखंड सरकार ने स्पष्ट किया है कि मामले को किसी भी प्रकार का धार्मिक या सांप्रदायिक स्वरूप देना उचित नहीं है। सरकार ने चेतावनी दी है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से मामले को सांप्रदायिक रंग देकर माहौल खराब करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उत्तराखंड के गृह सचिव शैलेश बगोली ने कहा कि प्रारंभिक जांच में यह मामला दो पक्षों के बीच हुए विवाद और भावनात्मक आवेश से जुड़ा प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की पहचान सद्भाव, शांति और सभी धर्मों के प्रति सम्मान की रही है, जिसे किसी भी कीमत पर प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।गृह सचिव ने बताया कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच के लिए गढ़वाल रेंज के आईजी को निर्देश दिए गए हैं। सभी पक्षों की बात सुनने और तथ्यों के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही एडीजी लॉ एंड ऑर्डर से पूरे मामले की विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट भी तलब की गई है।यात्रियों और श्रद्धालुओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए सरकार शिकायत निवारण तंत्र को और मजबूत कर रही है। वर्तमान में संचालित चारधाम सेल को अब श्री हेमकुंड साहिब यात्रा से भी जोड़ा जाएगा और यात्रा अवधि के दौरान यह व्यवस्था 24 घंटे सातों दिन कार्य करेगी।

निहंगों के नगरासू गुरुदारे में हंगामे के बाद कर्णप्रयाग में अलर्ट; सीमाओं पर बढ़ाई चौकसी, इंटरनेट बंद

» बीपीएस न्यूज

कर्णप्रयाग(चमोली)। 16 जून को निहंगों और स्थानीय लोगों के बीच हुई मारपीट की घटना लगातार तूल पकड़ती जा रही है। वहीं, निहंगों की ओर से नगरासू गुरुदारे में हंगामा करने के बाद पुलिस और प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। निहंगों के रुद्रप्रयाग गुरुद्वारे में हंगामे के बाद अब चमोली जनपद में भी पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। साथ ही रविवार सुबह से इंटरनेट सेवा बंद कर दी गई है। वहीं, जनपद के प्रवेश द्वार कमेड़ा में आईटीबीपी और पुलिस के जवानों की तैनाती की गई।पुलिस और आईटीबीपी के जवान बैरियर लगाकर हर आने जाने वाले लोगों पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। जनपद के विभिन्न थानों और चौकियों की पुलिस फोर्स कर्णप्रयाग, गौचर आदि स्थानों में तैनाती की गई है।16 जून को निहंगों और स्थानीय लोगों के बीच हुई मारपीट की घटना लगातार तूल पकड़ती जा रही है। सोशल मीडिया पर सिख समुदाय की ओर से 21 जून को कर्णप्रयाग पहुंचने का कार्यक्रम तय किया गया था। वहीं, बीते शनिवार को निहंगों की ओर से नगरासू गुरुदारे में हंगामा करने के बाद पुलिस और प्रशासन ने सख्ती बढ़ा दी है। वहीं सुरक्षा की दृष्टि से तहसील प्रशासन की ओर से पूरे परगना क्षेत्र में बीएनएस की धारा 163 लगाई गई है।

सीफूड प्रोसेसिंग यूनिट में गैस लीक, मातम में बदला कामकाज सात महिलाओं की मौत

तिरुवल्लूर (तमिलनाडु)। तमिलनाडु में पेरियापालयम के निकट मनजंगरनई स्थित एक निजी समुद्री खाद्य प्रसंस्करण इकाई में रविवार को अमोनिया गैस रिसाव से 7 महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। तिरुवल्लूर की जिलाधिकारी एस कविता ने बताया कि 67 प्रभावित कर्मियों को तुरंत स्थानीय चिकित्सा केंद्रों में ले जाया गया।उन्होंने कहा कि 46 लोगों का इलाज वेल्स अस्पताल में और 21 लोगों का इलाज वेंकटेश्वर अस्पताल में किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि गंभीर रूप से प्रभावित नौ लोगों को एम्बुलेंस के जरिए चेन्नई स्थित सरकारी स्टैनली मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया है।

आजम खान की मुश्किलें बढ़ीं , जौहर ट्रस्ट को आयकर विभाग की बड़ी नोटिस

जमीन-मस्जिद और फंडिंग तक पर मांगा जवाब

» बीपीएस न्यूज

रामपुर। आयकर विभाग ने 23 जून को सुबह 11:30 बजे सुनवाई निर्धारित की है और निर्देश दिया है कि ट्रस्ट की ओर से अधिकृत प्रतिनिधि या संबंधित पक्ष उपस्थित होकर अपना जवाब दाखिल करें। विभाग ने संकेत दिया है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने की स्थिति में ट्रस्ट के पंजीकरण को रद्द करने की कार्रवाई पर विचार किया जा सकता है।समाजवादी पार्टी के नेता आजम खां और उनके परिवार से जुड़े मौलाना मोहम्मद अली जौहर ट्रस्ट की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। आयकर विभाग ने ट्रस्ट को आयकर अधिनियम की धारा 12क्क और 12 के तहत विस्तृत नोटिस जारी कर 23 जून को सुनवाई के लिए तलब किया है। नोटिस में ट्रस्ट की गतिविधियों, वित्तीय लेनदेन और संचालन से जुड़े कई गंभीर सवाल उठाए गए हैं। यदि विभाग ट्रस्ट के जवाब से संतुष्ट नहीं होता है तो उसके पंजीकरण पर भी खतरा मंडरा सकता है।

17 जून को जारी 37 पृष्ठों के नोटिस में आयकर विभाग ने कहा है कि ट्रस्ट की कुछ गतिविधियां उसके घोषित उद्देश्यों के अनुरूप नहीं पाई गईं। विभाग ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के वर्ष 2021 के फैसले का हवाला देते हुए जौहर यूनिवर्सिटी के लिए अधिग्रहित भूमि से जुड़े विवादों और शर्तों के कथित उल्लंघन का भी उल्लेख किया है।नोटिस में यह भी कहा गया है कि ट्रस्ट को विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए निर्धारित सीमा से अधिक भूमि लेने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई थी, लेकिन उन शर्तों के पालन को लेकर सवाल खड़े हुए हैं। विभाग ने हाईकोर्ट के आदेश का उल्लेख करते हुए भूमि उपयोग, वार्षिक रिपोर्ट दाखिल करने और सार्वजनिक हित से जुड़े मुद्दों पर स्पष्टीकरण मांगा है।आयकर विभाग ने ट्रस्ट परिसर में मस्जिद निर्माण के मुद्दे का भी जिक्र किया है। नोटिस में कहा गया है कि इस संबंध में ट्रस्ट द्वारा दी गई जानकारी और उपलब्ध रिकॉर्ड के बीच विसंगतियां दिखाई देती हैं, जिस पर जवाब मांगा गया है।

इसके अलावा विभाग ने ट्रस्ट के संचालन ढांचे पर भी सवाल उठाए हैं। नोटिस में कुछ ट्रस्टियों को डमी ट्रस्टी बताए जाने संबंधी जांच रिपोर्टों और बयानों का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि ट्रस्ट का संचालन मुख्य रूप से आजम खान और उनके परिवार के नियंत्रण में होने के आरोपों की जांच की जा रही है।

होर्मुज बंद किया तो नहीं बचेगा ईरान: ट्रंप

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य बंद करने की धमकी पर ईरान को मिटाने की चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका जलमार्ग पर नियंत्रण कर टोल वसूलेगा और गार्जियन एंजेल बनकर 20त्न तेल पर कब्जा करेगा।शांति वार्ता के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी है। ट्रंप ने साफ-साफ कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की जुर्रत की, तो उसका अस्तित्व ही संकट में पड़ जाएगा। ट्रंप ने कहा, आप इसे बंद करेंगे और आपके पास कोई देश नहीं बचेगा। आप अपने देश वापस भी नहीं जा पाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने स्पष्ट किया कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका इस रणनीतिक जलमार्ग पर पूरी तरह नियंत्रण कर सकता है। उन्होंने एक कैबिनेट बैठक के दौरान कहा, अगर हमें जरूरत पड़ी, तो हम होर्मुज जलडमरूमध्य पर कब्जा करेंगे। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं, तो हम खुद वहां से गुजरने वाले जहाजों से टोल टैक्स वसूलेंगे। ट्रंप की धमकी से पहले ईरान ने इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को बंद करने की बात कही थी।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका की भूमिका को एक नए अंदाज में पेश किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस पूरे क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का गार्जियन एंजेल यानी रक्षक बन सकता है। इसके बदले में अमेरिका वहां से निकलने वाले कुल तेल का 20 प्रतिशत हिस्सा अपने पास रखेगा।

अपनी बात....

संपादकीय ....

युवाओं को जीवटता से जीने की मिले सीख

शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे आत्मविश्वासी, संवेदनशील और रचनात्मक नागरिक तैयार करना है जो बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना कर सकें। किसी भी समाज का भविष्य अंततः उन युवाओं पर निर्भर करता है जो संतुलित, मानवीय और जीवन के वास्तविक अर्थ को समझने वाले भी हों।

आज देश के लाखों परिवार अपने बच्चों की सफलता के सपने कोचिंग संस्थानों के भरोसे बुन रहे हैं। डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने की आकांक्षा में किशोर उम्र से ही बच्चे ऐसी प्रतिस्पर्धा में उतर जाते हैं, जहां हर परीक्षा भविष्य का फैसला और हर रैंक पहचान का पैमाना बन जाती है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, सीमित अवसरों और सामाजिक अपेक्षाओं ने कोचिंग संस्कृति को शिक्षा व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा बना दिया है। लेकिन इस चमकदार सफलता के पीछे एक दूसरा सच भी छिपा है, जिसमें बढ़ता मानसिक दबाव, सिमटता बचपन और अंकों तक सीमित होती शिक्षा शामिल है। तो क्या हम युवाओं को जीवन के लिए शिक्षित कर रहे हैं या केवल परीक्षाओं के लिए तैयार कर रहे हैं?भारत दुनिया के सबसे अधिक युवाओं वाले देशों में शामिल है। देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है। यह स्थिति भारत को जनसांख्यिकीय लाभांश का अवसर देती है, लेकिन इसके साथ एक बड़ी चुनौती भी जुड़ी हुई है। हर वर्ष करोड़ों युवा उच्च शिक्षा और रोजगार के सीमित अवसरों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। वर्ष 2025 में जेईई मेन परीक्षा में करीब 15 लाख विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जबकि आईआईटी में सीटें लगभग 20 हजार हैं। इसी प्रकार सरकारी मेडिकल कॉलेजों की एक लाख से कम सीटों के लिए लगभग 25 लाख अभ्यर्थियों ने नीट यूजी परीक्षा दी। ये आंकड़े बताते हैं कि प्रतियोगिता अब केवल कठिन नहीं, बल्कि अत्यधिक तीव्र और तनावपूर्ण हो चुकी है।विभिन्न अध्ययनों के अनुसार भारत का कोचिंग उद्योग 50 हजार करोड़ रुपये से अधिक का हो चुका है। कोटा, दिल्ली, हैदराबाद और प्रयागराज जैसे शहर प्रमुख कोचिंग केंद्र बन गए हैं। हजारों विद्यार्थी घरों से दूर रहकर तैयारी करते हैं और अनेक परिवार अपनी बचत का बड़ा हिस्सा इस पर खर्च कर देते हैं। शिक्षा अब ऐसा निवेश बनती जा रही है, जिसके बदले सफलता की कोई निश्चित गारंटी नहीं होती।कोचिंग संस्थानों ने अनेक विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और प्रतिस्पर्धी माहौल उपलब्ध कराया है। छोटे शहरों के कई छात्रों ने इनके माध्यम से राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सफलता हासिल की है। लेकिन इसके साथ डमी एडमिशन जैसी प्रवृत्ति भी बढ़ी है। अनेक विद्यार्थी केवल औपचारिक रूप से स्कूलों में दाखिला ले लेते हैं और उनका अधिकांश समय कोचिंग संस्थानों में बीतता है। इससे खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों और व्यक्तित्व विकास के अवसर सीमित हो जाते हैं।

इस पूरी व्यवस्था का सबसे गंभीर असर विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य पर दिखाई देता है। नियमित टेस्ट, रैंकिंग, प्रदर्शन की तुलना और लगातार बेहतर करने का दबाव बच्चों को मानसिक रूप से थका देता है। असफलता का भय उन्हें चिंता, तनाव और अवसाद की ओर धकेलता है। कई विद्यार्थियों को यह महसूस होने लगता है कि उनका पूरा भविष्य एक परीक्षा के परिणाम पर निर्भर है। यही कारण है कि हाल के वर्षों में विद्यार्थियों की आत्महत्या की घटनाएं चिंता का विषय बनी हुई हैं। सफलता की यह दौड़ कई बार युवाओं के लिए असहनीय बोझ बन जाती है।हालांकि इस स्थिति के लिए केवल कोचिंग संस्थानों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिभावकों और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। अधिकांश माता-पिता बच्चों का भविष्य सुरक्षित देखना चाहते हैं, लेकिन कई बार उनकी अपेक्षाएं अनजाने में दबाव का कारण बन जाती हैं। हमारे समाज में आज भी डॉक्टर, इंजीनियर या प्रशासनिक अधिकारी बनने को ही सफलता का सबसे बड़ा पैमाना माना जाता है। परिणामस्वरूप अनेक विद्यार्थी अपनी रुचि और क्षमता के बजाय सामाजिक अपेक्षाओं के अनुरूप करियर चुनने के लिए विवश हो जाते हैं।वास्तविकता यह है कि नई अर्थव्यवस्था ने अवसरों के अनेक नए द्वार खोले हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा, डिजिटल मीडिया और उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में तेजी से संभावनाएं बढ़ रही हैं। युवाओं को अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार करियर चुनने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए।कोचिंग संस्कृति का बढ़ता प्रभाव हमारी औपचारिक शिक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि स्कूल विद्यार्थियों को मजबूत शैक्षणिक आधार, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण और तार्किक समझ प्रदान कर पा रहे होते, तो कोचिंग की आवश्यकता इतनी व्यापक नहीं होती। स्कूलों में शिक्षकों की कमी, रटने पर आधारित शिक्षा और व्यावहारिक ज्ञान की उपेक्षा ने इस निर्भरता को बढ़ाया है। नई शिक्षा नीति ने शिक्षा को अधिक कौशल आधारित और बहुआयामी बनाने की दिशा में पहल की है, लेकिन उसके प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है।आज जरूरत शिक्षा व्यवस्था में संतुलन स्थापित करने में है। स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, प्रभावी करियर परामर्श, विद्यार्थियों के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता, अभिभावकों में जागरूकता ।

अब फिर रूस पर शिकंजा कसने की तैयारी

विपिन सचदेवा

ईरान युद्ध के समय ट्रंप जी-7 के सदस्यों को भरोसे में लेने में नाकाम रहे थे। फ्रांस की बैठक भी लीपापोती ही है। ईरान से छूटे, तो ट्रम्प अपने देश और दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर दोबारा शिफ्ट करना चाहतेईरान युद्ध के समय ट्रंप जी-7 के सदस्यों को भरोसे में लेने में नाकाम रहे थे। फ्रांस की बैठक भी लीपापोती ही है। ईरान से छूटे, तो ट्रम्प अपने देश और दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर दोबारा शिफ्ट करना चाहते हैं। ईरान से युद्ध में पूरी दुनिया को कितना आर्थिक नुकसान हुआ? यह सवाल जी-7 में आये किसी नेता ने नहीं उठाया, सबके सब ट्रम्प की जी-हुजूरी में लगे रहे।जी-7 (ग्रुप ऑफ़ सेवन) नेताओं का शिखर सम्मेलन आखिकार समाप्त हो गया। जी-7 के मंच पर उभयपक्षीय बातचीत के दौरान मोदी ने ट्रंप से कहा, 'भारतीय नाविकों की सुरक्षा ज़रूरी है।' मोदी ने यह भी कहा, कि उन्हें खुशी है भारतीय और अमेरिकी टीमें लक्ष्यों को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। मोदी ने 'अमेरिका के साथ संबंधों में नई गति और ऊर्जा' पर ज़ोर दिया। फ़्रेंच आल्प्स के एवियन-लेस-बेन्स में होटल रॉयल में, जहां जी-7 समिट के लिए जर्मनी, कनाडा, अमेरिका, फ़्रांस, इटली, जापान, यूके और यूरोपीय संघ के प्रतिनिधि इकट्ठा हुए थे, अमेरिकी राष्ट्रपति ने बार-बार सभी से कहा कि ईरान के साथ उनकी 'डील' 'ज़बरदस्त' थी।

दुनिया की सात सबसे बड़ी विकसित अर्थव्यवस्थाओं के समूह में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। जी-7 में यूरोपीय संघ का भी प्रतिनिधित्व है। बुधवार सुबह जारी एक बयान में, जी-7के नेताओं ने रूसी अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ाने का संकल्प लिया। नेताओं के बयान में कहा गया, 'इस नई गति को समर्थन देने और तेज़ करने के लिए, हम एयर डिफेंस क्षमताएं, इंटरसेप्टर तथा लंबी दूरी की युद्धक क्षमताएं उपलब्ध कराने को बढ़ाने पर सहमत हैं। हम अपने प्रतिबंधों को और मज़बूत करेंगे, जिसमें तेल और गैस सेक्टर पर लगाए गए प्रतिबंध भी शामिल हैं।'यह बयान उस सकारात्मक माहौल को दर्शाता है जो मंगलवार को तब बना था जब जी-7 नेताओं ने अपने पहले आधिकारिक एजेंडे की शुरुआत करते हुए बैठक में सबसे पहले यूक्रेन पर चर्चा की थी। इस साल की बैठक के मेज़बान इमैनुएल मैक्रों ने शिखर सम्मेलन में विशेष अतिथि के तौर पर यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की को आमंत्रित करके यह स्पष्ट कर दिया था कि यूक्रेन जी-7 के एजेंडे में सबसे ऊपर है। पिछले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन ईरान के साथ चल रहे तनाव में उलझा हुआ था। लेकिन उससे पहले ही, उनके प्रशासन ने यूक्रेन की मदद करने की ज़िम्मेदारी यूरोपीय सहयोगियों पर छोड़ दी थी, और ईयू ने इस ज़िम्मेदारी को बखूबी निभाया है।27 सदस्यीय ईयू यूक्रेन को सबसे ज़्यादा आर्थिक मदद देने वाला संगठन बन चुका है। ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान तेल की कीमतें कम करने के लिए रूस पर जो प्रतिबंध हटाए गए थे, उन्हें फिर से लागू किया जा सकता है, क्योंकि अब होर्मुज जलडमरूमध्य से ज़्यादा तेल की आवाजाही हो रही है। ट्रंप ने यह भी कहा कि 'रूस को यूक्रेन के ख़िलाफ़ युद्ध खत्म करने के लिए समझौता करना चाहिए' और साथ ही कहा कि वह 'जो कुछ भी कर सकते हैं, करेंगे।' यह उन यूरोपीय नेताओं के लिए अच्छी खबर थी जो यूक्रेन को समर्थन देने से जुड़े सवालों का सामना करने के लिए पूरी तैयारी के साथ आए थे।अमेरिकी प्रेस में लीक हुई कुछ जानकारियों से पता चलता है कि अमेरिका ईरानी तेल पर लगी पाबंदियां हटाने के लिए तैयार हो सकता है, जिससे ईरान को अपने फंड फिर से भरने का मौका मिलेगा। इसके बदले में ईरान को बस यह वादा करना होगा कि वह कभी परमाणु हथियार नहीं बनाएगा। ट्रंप ने कहा कि ईरान का मुद्दा जल्द ही 'पीछे छूट जाएगा', लेकिन अभी के लिए वह 'ईरान पर ध्यान केंद्रित' किए हुए हैं।

जानकारों का कहना है कि रूस अब थकने लगा है। यूक्रेन की ड्रोन युद्ध क्षमता जैसे कि लंबी दूरी के ड्रोन लॉन्च करने की उसकी काबिलियत, जिसका इस्तेमाल उसने इस महीने की शुरुआत में सेंट पीटर्सबर्ग में एक सैन्य ठिकाने को निशाना बनाने के लिए किया थाङ्ग एक बड़ी वजह है जिसने उसे रूस द्वारा हासिल की गई बढ़त को पलटने में मदद की है।हालांकि, समिट से ठीक पहले, ट्रंप ने मीडिया और सोशल नेटवर्क दोनों पर जी-7 नेताओं की कड़ी आलोचना की। उन्होंने इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी की हिम्मत पर सवाल उठाए और जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ को सार्वजनिक रूप से सलाह दी कि वे अमेरिका की आलोचना करने के बजाय 'अपने बिखरते हुए देश पर ध्यान दें'।

उन्होंने यह भी धमकी दी थी कि अगर पेरिस, गूगल, एप्पल और अमेज़न जैसी अमेरिकी टेक्नोलॉजी कंपनियों पर अपना डिजिटल टैक्स नहीं हटाता है, तो वे फ्रांसीसी वाइन और शैंपेन पर 100 फीसद टैरिफ लगा देंगे। पेरिस अपनी बात पर अड़े रहते हुए कैसे अपनी 'इज्जत बचाएगा', यह अभी साफ़ नहीं है। यह भी उम्मीद है कि ट्रंप अपने सहयोगियों पर ईरान के साथ भविष्य के समझौते से जुड़े खर्चों को बांटने के लिए दबाव डालेंगे। भारी कर्ज में डूबे देशों से ऐसा करने की उम्मीद कैसे की जा सकती है, यह भी उतना ही अनिश्चित है।

अगस्त, 2025 में अलास्का के एंकरेज में ट्रंप ने रूसी नेता के लिए जो रेड कार्पेट बिछाया था, उसका कोई नतीजा नहीं निकला। अब अमेरिकी राष्टपति को आखिरकार अपने यूरोपीय सहयोगियों की उस सलाह पर ध्यान देना चाहिए जिसे वे लगातार दोहराते रहे हैं। उनका हमेशा से यही कहना रहा है कि ताकत का प्रदर्शन ही व्लादिमीर पुतिन को इस विनाशकारी और आक्रामक युद्ध को खत्म करने के लिए मजबूर कर सकता हैङ्गएक ऐसा युद्ध जो अब प्रथम विश्व युद्ध से भी ज़्यादा समय तक खिंच चुका है।

अमेरिका और ज़्यादातर जी-7 सदस्यों के बीच इतने सारे मुद्दों पर मतभेद हैं, जैसे कि अंतर्राष्टीय व्यापार और ऊर्जा नीतियों से लेकर डिजिटल संप्रभुता तक। ये बयान जारी तो कर देंगे, लेकिन कि एवियन समिट से कोई ऐसा ठोस नतीजा निकलने की उम्मीद कम ही रही। ईरान युद्ध के समय ट्रंप जी-7 के सदस्यों को भरोसे में लेने में नाकाम रहे थे। फ्रांस की बैठक भी लीपापोती ही है। ईरान से छूटे, तो ट्रम्प अपने देश और दुनिया का ध्यान यूक्रेन पर दोबारा शिफ्ट करना चाहते हैं। ईरान से युद्ध में पूरी दुनिया को कितना आर्थिक नुकसान हुआ? यह सवाल जी-7 में आये किसी नेता ने नहीं उठाया। सबके सब ट्रम्प की जी-हुजूरी में लगे रहे।

विश्व के चुनींदा नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी फ्रांस के एवियन में आयोजित जी-7 समिट में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कई अहम द्विपक्षीय बैठके कीं। इनमें सबसे खास थी 16 महीनों में अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उनकी पहली आमने-सामने की मुलाक़ात। इस वास्ते मैक्रों और मेलोनी ने माहौल बनाया था। पीएम मोदी ने पश्चिम एशिया में तनाव कम करने और क्षेत्र में शांति पहल को आगे बढ़ाने के ट्रंप के प्रयासों की भी सराहना की। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी पर प्रकाश डाला, प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों को भी रेखांकित किया। ट्रंप बोले, 'फ्रांस में हमारी कुछ शानदार बैठकें हुईं... यह एक जी-7 है। और फिर हमारे पास एक जी20 आ रहा है। हम व्यापार सौदे कर रहे हैं... संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच बहुत-सी चीजें हो रही हैं।

एक अनजानी पार्टी एनसीपीआई में विलय का ऐलान किया

राजनीतिक पार्टियों में खलबली, पार्टी अध्यक्षों की एक ना चली

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

लोकतंत्र का गला घोंटकर, पार्टियां तोड़कर, जो विधायकों-सांसदों इधर उधर दौड़ रहे उन्हें अगर जनता सबक सिखाए तो बेहतर ! जी हाँ कुछ इसे खरीद-फरोख्त कह रहे तो कुछ हवा का रुख देख पाला बदलने की कला ! जो लोग खुद को अजेय समझ रहे हैं , वे एक बात गांठ बांध लें सत्ता हमेशा स्थायी नहीं होती, लेकिन कलंक हमेशा स्थायी होता है। चार साल पहले जब शिवसेना को पहली बार तोड़कर एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भाजपा ने बिठाया था, तब इसे ऑपरेशन लोटस नाम दिया गया था। कर्नाटक, मध्यप्रदेश आदि में भी यही चला, तब लोगो को लगा यह पैसे के दम पर है पर अब ज़ब बंगाल में यह हुआ तो लोगो को लग रहा यह एक बड़ा खेल है। किसी दल के विधायकों या सांसदों का लालच या दबाव में आकर वर्चस्व वाले दल में केवल इसलिए शामिल होना की शीघ्र ही मंत्री पद पुनः मिलेगा , ताकि सत्ता पर कब्ज़ा किया जा सके, राजनैतिक भ्रष्टाचार का बड़ा उदाहरण है। कोंग्रेसी यही उदाहरण बार-बार लगातार पेश करते रहे है। राजनैतिक विश्लेषक और मीडिया के कई लोग इसे मास्टर स्ट्रोक बता कर भ्रष्टाचार को सही ठहराने में लगे रहते हैं।

जनता का पैसा लूटकर, उसी पैसे से गाड़ी बंगला और वोट खरीदने वाले आज भले ही दल बदल के गीत गा रहे हों, लेकिन इतिहास उन्हें लोकतंत्र के रक्षक नहीं, उसके सौदागर के रूप में याद रखेगा। जनादेश कोई बाजार में बिकने वाली वस्तु नहीं है। यह करोड़ों लोगों के विश्वास, संघर्ष और उम्मीदों का प्रतीक है। जब चुनी हुई सरकारें गिराने और निर्वाचित प्रतिनिधियों को खरीदने का खेल खेला जाता है, तब केवल एक पार्टी नहीं टूटती, बल्कि जनता का भरोसा टूटता है, संविधान की भावना घायल होती है और लोकतंत्र कमजोर होता है। हाँ जाति के नाम पर चुनाव जितने वाले ऐसा करें तो यह उचित है और सबक भी। जो लोग आज जाति एकता, धनबल और सत्ता के अहंकार में चूर होकर नेतागिरी को अपनी जागीर समझ रहे हैं, उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि जनता की अदालत में न कोई सत्ता काम आती है, न कोई पद, न कोई प्रचार। वहां केवल कर्मों का हिसाब होता है।

बंगाल और महाराष्ट के बाद अब यूपी की राजनीति में उथल-पुथल दिखाई दे रही है। शिवसेना के एक बार फिर टूटने की ख़बरें हैं। जाहिर है यह टूट शिंदे गुट में नहीं, उद्धव ठाकरे गुट में है और इसके पीछे भी राजनीतिक फायदा का ही हाथ है। कम से कम छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने की खबरें हैं। सांसद संजय राउत ने तो यहां तक आरोप लगाया है कि इन सांसदों को 15-15 करोड़ दिए गए हैं। यानी खुल कर ख़रीद-फरोख़्त की बातें हो रही हैं। यह ऑपरेशन टाइगर हुआ है, यही लिखा आ रहा है। यही ऑपरेशन टाइगर शब्द महाराष्ट के राजनैतिक गलियारों में घूम रहा है। टाइगर यानी शेर, बाला साहेब ठाकरे की खड़ी की हुई शिवसेना की पहचान रहा है पर उद्धव उस शेर को सम्हाल नहीं पाए । एकनाथ शिंदे खुद को बाल ठाकरे का असली उत्तराधिकारी बताते हुए शिवसेना के नाम और निशान पर तो कब्ज़ा कर चुके हैं, अब ऑपरेशन टाइगर कहकर वे यह बताना चाह रहे हैं कि शिवसेना के असली शेर उनके साथ ही रहेंगे। राजनीति, युद्ध और प्रेम में सब जायज़ है, जैसे वाक्य भूलना नहीं चाहिए।

सामंतवाद को बढ़ावा देने वालों ने अपनी सुविधा से अपने लिए जातिगत किले गढ़े हैं, जिसे नकार दिया जाना चाहिए। सही केवल वही है जो नैतिकता और कानून की कसौटी पर खरा उतरे। इस लिहाज से देखें तो पार्टियों द्वारा चलाए दल-बदल ऑपरेशन सही नहीं हैं। अगर किसी की विचारधारा बदल जाए और फिर वह पार्टी बदले तो वह ठीक है। लेकिन आप किसी पार्टी और उसके चुनाव चिह्न पर लड़ते हैं,

जीत हासिल करते हैं और कुछ वक़्त के बाद धुरविरोधी पार्टी में चले जाते हैं तो यह सीधे-सीधे उस जनता के साथ धोखा है जिसने आपको जिताया। जैसे प.बंगाल में इस समय तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों ने एक अनजानी पार्टी एनसीपीआई में विलय का ऐलान किया, ताकि वे एनडीए का समर्थन कर सकें। ये 20 सांसद कम से कम एक करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं और 2024 में इन लोगों को भाजपा के ख़िलाफ़ लड़ते हुए ही जीत मिली थी। अब ये सांसद भाजपा का विरोध नहीं करेंगे और इस तरह अपनी क्षेत्र की जनता के साथ धोखा करेंगे। पर यह काम नया नहीं है। विपक्ष भी यह राजनिती कर चुका है। बीते 17 अप्रैल को संसद लालच होगा ? क्या डर होगा ? स्वार्थ, लालच और डर ही वे कारक हैं, जिनके बूते दल-बदल संभव हो पा रहा है। आज भाजपा यह कर रही है, मुमकिन है कल कोई दूसरा सत्ताधारी दल यही करे।

इसे तभी रोका जाएगा जब ईमानदार राजनीति को पुनर्स्थापित किया जाए। काम कठिन है, असंभव नहीं। इतिहास गवाह है कि लोकतंत्र को कमजोर करने वाले कुछ समय के लिए ताकतवर दिखे जरूर, लेकिन अंत में जनता ने उन्हें उसी कठोरता से जवाब दिया, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

सवर्ण वोटरों के हक़ की हत्या करके इतिहासपुरुष बनने का सपना देखने वालों, याद रखो इतिहास तुम्हें महान नहीं, लोकतंत्र पर लगे एक काले धब्बे के रूप में दर्ज कर करेगा।

इस लोकतंत्र को बर्बाद करने का पाप भाषणों, विज्ञापनों और प्रचार से नहीं धुलेगा। इसकी कीमत चुकानी होगी।बंगाल और महाराष्ट के बाद अब यूपी की राजनीति में उथल-पुथल दिखाई दे रही है। शिवसेना के के विशेष सत्र में संविधान संशोधन विधेयक सरकार इंडिया ब्लॉक की एकजुटता के कारण ही पारित नहीं करवा पाई थी।

इसके बाद बंगाल में उसकी जीत तो हो गई, लेकिन वहीं इंडिया गठबंधन में आपसी मजबूती भी बढ़ी। क्योंकि सभी दलों को यह समझ आ गया कि भाजपा अब विपक्ष को किसी हाल में चुनाव नहीं जीतने देगी। भाजपा इंडिया गठबंधन में दरार डाल चुकी थी अब बस मौके के इंतजार में थी तो अब उसके नेताओं को तोड़ने में लग गई । टीएमसी में उसे काफ़ी हद तक सफलता मिल गई है। लेकिन संसद में एकाधिकार के लिए उसे और संख्याबल चाहिए, तो अब फिर से शिवसेना निशाने पर है। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र सौंपकर मांग की है कि शिवसेना (यूबीटी) को ही संसद में एकमात्र आधिकारिक राजनीतिक दल के रूप में मान्यता दी जाती रहे। किसी भी अलग गुट, बागी गुट या स्वतंत्र समूह को कोई पहचान, दर्जा, सुविधा या विशेषाधिकार न दिया जाए।

पत्र में यह भी लिखा है कि ऐसी किसी भी मांग पर फैसला लेने से पहले उद्धव ठाकरे गुट को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया जाए। पार्टी ने यह भी स्पष्ट किया है कि वह संविधान की दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के तहत उपलब्ध प्रावधानों का उपयोग करने का अधिकार सुरक्षित रखती है। अब ओम बिड़ला क्या फ़ैसला लेते हैं यह तो बाद में पता चलेगा, लेकिन दलबदल के लगातार हो रहे

प्रकरणों में यह विचारणीय है कि आख़िर भाजपा को ऐसा करने का मौका क्या राजनैतिक दलों के नेता खुद नहीं दे रहे हैं। राजनीति में जो भ्रष्टाचार व्याप्त हो चुका है, उस में जांच एजेंसियों के सियासी इस्तेमाल की गुंजाइश बढ़ गई है। उधर सपा को चिंता है कि उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी के कई विधायक एमएलसी राज्यसभा सांसद भाजपा तोड़ सकती है । क्या स्वार्थ रहेगा ? क्या एक बार फिर टूटने की ख़बरें हैं। जाहिर है यह टूट शिंदे गुट में नहीं, उद्धव ठाकरे गुट में है और इसके पीछे भी राजनीतिक फायदा का ही हाथ है।

कम से कम छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने की खबरें हैं। सांसद संजय राउत ने तो यहां तक आरोप लगाया है कि इन सांसदों को 15-15 करोड़ दिए गए हैं। यानी खुल कर ख़रीद-फरोख़्त की बातें हो रही हैं। यह ऑपरेशन टाइगर हुआ है, यही लिखा आ रहा है। यही ऑपरेशन टाइगर शब्द महाराष्ट के राजनैतिक गलियारों में घूम रहा है।

टाइगर यानी शेर, बाला साहेब ठाकरे की खड़ी की हुई शिवसेना की पहचान रहा है पर उद्धव उस शेर को सम्हाल नहीं पाए । एकनाथ शिंदे खुद को बाल ठाकरे का असली उत्तराधिकारी बताते हुए शिवसेना के नाम और निशान पर तो कब्ज़ा कर चुके हैं, अब ऑपरेशन टाइगर कहकर वे यह बताना चाह रहे हैं कि शिवसेना के असली शेर उनके साथ ही रहेंगे। राजनीति, युद्ध और प्रेम में सब जायज़ है, जैसे वाक्य भूलना नहीं चाहिए।

जन्मदिन की हार्दिक बधाई

कानपुर। बीपीएस न्यूज टीम के छायाकार सनल ओमर का जन्म दिवस बड़े ही धूमधाम के साथ उनके निवास स्थान सब्जी मंडी, गोविंद नगर, कानपुर में मनाया गया।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओ के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

डीएम ने मुख्यमंत्री योगी को माटी कला कारीगरों और आईआईटी से निर्मित गुल्लक की भेंट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीएसए में आयोजित कार्यशाला के दौरान कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत की ओर से लिखित पुस्तक प्राकृतिक खेती भेंट की। वहीं जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री को बिठूर के माटी कला कारीगरों और आईआईटी कानपुर की ओर से निर्मित मिट्टी की गुल्लक तथा प्रसिद्ध कलाकार रंजीत सिंह की ओर से तैयार ताम्र चित्र भेंट किया।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, राज्य मंत्री प्रतिभा शुक्ला, सांसद रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडेय, विधायक नीलिमा कटियार, सुरेंद्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, अभिजीत सिंह सांगा, राहुल बच्चा सोनकर, सरोज कुरील, एमएलसी अरुण पाठक, जिला पंचायत अध्यक्ष, गोसेवा आयोग के अध्यक्ष, मंडलायुक्त, पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, सीडीओ अभिनव जैन तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सहूलियत: कानपुर को मिली अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात, बढ़ाएं गए फेरे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अमृत भारत एक्सप्रेस की सौगात मिली है। यह ट्रेन 21 जून से जयपुर-दरभंगा के बीच चलेगी, इसका ठहराव कानपुर सेंट्रल पर भी होगा। केंद्रीय रेल, प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव 21 जून को ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। नई अमृत भारत एक्सप्रेस का ठहराव कानपुर सेंट्रल समेत दौसा, बांदीकुई, भरतपुर, आगरा, टूंडला, इटावा, उन्नाव, ऐशबाग, गोमतीनगर, बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर, रक्सौल, सीतामढ़ी और दरभंगा जैसे प्रमुख स्टेशनों पर होगा। ट्रेन सप्ताह में छह दिन संचालित होगी।

यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे प्रशासन ने आनंद विहार टर्मिनल-बलिया स्पेशल ट्रेन को नियमित करने का फैसला किया है। यह ट्रेन आनंद विहार टर्मिनल-मऊ एक्सप्रेस (14056/14055) के रूप में 24 जून से नियमित रूप से चलना शुरू करेगी। ट्रेन संख्या 14056 आनंद विहार टर्मिनल-मऊ एक्सप्रेस प्रत्येक बुधवार को आनंद विहार से दोपहर तीन बजे रवाना होगी और रात आठ बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। वापसी में 14055 मऊ-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस प्रत्येक गुरुवार को मऊ से चलकर रात 8=10 बजे कानपुर सेंट्रल पहुंचेगी। ट्रेन में एसी प्रथम, एसी द्वितीय, एसी तृतीय, इकॉनमी, स्लीपर और सामान्य श्रेणी समेत कुल 21 कोच लगाए जाएंगे।

कई ट्रेनों का ठहराव बदला

वडोदरा स्टेशन पर यार्ड रिमॉडलिंग कार्य के चलते नॉन-इंटरलॉकिंग ब्लॉक की अवधि बढ़ाए जाने के कारण कई ट्रेनों का ठहराव वडोदरा जंक्शन के स्थान पर छायापुरी स्टेशन पर निर्धारित किया गया है। इनमें कानपुर अनवरगंज-मुंबई सेंट्रल विशेष, सूबेदारगंज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट, आगरा कैंट-उधना विशेष, प्रयागराज-दादर विशेष और वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट सहित कई ट्रेनें शामिल हैं।

सीएम योगी को ज्ञापन देने जा रहे सपा युवजन सभा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोका

» बीपीएस न्यूज

कानपुर आगमन पर सीएम योगी को ज्ञापन देने जा रहे सपा युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष व पूर्व पार्षद अर्पित यादव को गोविंदनगर और बर्रा थाने की पुलिस ने सीटीआई चौराहे पर रोक लिया और एडीसीपी साउथ सुमित सुधाकर राम टेके के कार्यालय ले गए। यहां पूर्व पार्षद ने एडीसीपी को ज्ञापन सौंपा। इसमें नौबस्ता, केशवनगर में 100 बेड अस्पताल चालू करने और पेपर लीक मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की है। करीब दो घंटे बाद सभी को जाने दिया। इस दौरान सपा युवजन सभा के महानगर अध्यक्ष अनूप यादव, रेशू सिंह, धीरेंद्र सिंह, अतुल मिश्रा, अंकित यादव, नितिन श्रीवास्तव, रौनक यादव, अमित वर्मा आदि रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग का बड़ा अभियान : 8600 लीटर कालातीत खाद्य सामग्री नष्ट

» एक्सपायर्ड सिरप, शरबत और सॉस का बड़ा जखीरा नष्ट, निर्माण इकाई पर होगी कार्रवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशों तथा आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के आदेशों के क्रम में जनपदवासियों को शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने हेतु खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा निरंतर सघन अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में 15 जून 2026 को जाजमऊ, कानपुर नगर स्थित विशाल भारत इंडस्ट्री का निरीक्षण किया गया। उक्त प्रतिष्ठान के खाद्य कारोबारकर्ता तौकीर कमाल अंसारी हैं। निरीक्षण के दौरान परिसर में भारी मात्रा में कालातीत (एक्सपायर्ड) सिरप, क्रश, शरबत एवं सॉस भंडारित पाए गए। निरीक्षण के समय मौजूद व्यक्ति मौके से फरार हो गए, जिसके चलते खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम द्वारा निर्माण इकाई को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया गया।

इसके उपरांत 17 जून 2026 को खाद्य कारोबारकर्ता के प्रतिनिधि की उपस्थिति में अचार के दो नमूने संग्रहित किए गए तथा लगभग 198 किलोग्राम अचार को सीज किया गया। साथ ही जांच हेतु सॉस के तीन नमूने भी संग्रहित किए गए। अधिक समय व्यतीत हो जाने के कारण कालातीत खाद्य सामग्री का तत्काल विनष्टीकरण नहीं कराया जा सका।

19 जून 2026 को विभागीय कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए लगभग 8600 लीटर कालातीत खाद्य सामग्री, जिसका अनुमानित मूल्य लगभग ?2,32,200 है, को नगर निगम के भवती स्थित डंपिंग ग्राउंड में विधिवत नष्ट कराया गया।

यह कार्रवाई जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से की गई है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि मिलावटी, अवमानक एवं कालातीत खाद्य पदार्थों के निर्माण, भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध भविष्य में भी कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्यवाही के दौरान सहायक आयुक्त (खाद्य)।। संजय प्रताप सिंह के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, अरविन्द, आशुतोष एवं दिव्या उपस्थित रहीं।

ऐतिहासिक लाल इमली मिल की घड़ी का एक हिस्सा और टूटा, कर्मचारियों ने सुई-मशीनरी गायब होने की जताई आशंका

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । कानपुर की ऐतिहासिक लाल इमली मिल में लगी चार दिशाओं वाली घड़ी में तीसरे ओर का हिस्सा गुरुवार को टूटा मिला। इससे पहले दो तरफ का हिस्सा टूट गया था। इससे अब केवल एक छोर की ही घड़ी बची है। कर्मचारियों ने घड़ी की कुछ सुई और मशीनरी गायब होने की आशंका जताई है। कर्मचारी संगठन ने मामले की जांच कराने की मांग उठाई है।

लाल इमली कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह ने बताया कि गुरुवार को सभी कर्मचारियों ने देखा कि मिल की साइड और सड़क की साइड की घड़ी का हिस्सा टूटा है। चुन्नीगंज चौराहा से मर्चेंट चैंबर की ओर जाने वाली दिशा के भाग का कांच पहले ही टूट चुका है। आशंका है कि चोरी की मंशा के चलते ऐसा किया गया है। अजय ने कहा कि कोई भी व्यक्ति बाहर से इसे नहीं तोड़ सकता है। यहां पर कोई भी सुरक्षा कर्मचारी भी नहीं है। विभाग के एक अधिकारी के पास सारे चार्ज हैं लेकिन वो कुछ भी नहीं कर रहे हैं।

कभी पूरे शहर को बताती थी समय

1876 में स्थापित लाल इमली मिल (ब्रिटिश इंडिया कॉर्पोरेशन) एशिया की पहली ऊनी मिलों में से एक थी। इसके हूटर और 128 फीट ऊंचा घंटाघर (क्लॉक टावर) शहर की पहचान हुआ करते थे। ससके शीर्ष पर लगी चार दिशाओं की घड़ियां कभी मिल के कर्मचारियों और पूरे शहर को समय का सटीक संकेत देती थीं। यह क्लॉक टावर 1911 से 1921 के बीच 10 वर्षों में बनकर तैयार हुआ था। लंबे समय से रखरखाव के अभाव के अब इस विरासत को नुकसान पहुंचा है। वर्षों से घड़ी बंद है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत घड़ी के आसपास के हिस्सों की करोड़ों खर्च करके के कुछ साल पहले फेस लिफ्टिंग भी कराई गई थी। लाइटें भी लगाई गई थी। जो कभी जलती तो कभी बुझ जाती हैं।

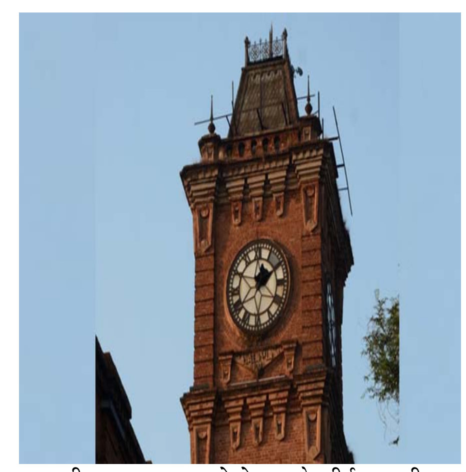

राज्य महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता ने महिला जनसुनवाई में सुनीं महिलाओं की समस्याएं

» महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं न्याय सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता- अनीता गुप्ता

ग्राम सिंहपुर में महिला जागरूकता चौपाल, पोषण पंचायत एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य अनीता गुप्ता द्वारा आज सर्किट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान महिलाओं से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं शिकायतों की गंभीरता से सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

महिला जनसुनवाई में कुल 15 प्रकरणों की गहनता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों में घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों की संख्या अधिक रही। राज्य महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता ने प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से सुनते हुए पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं अधिकारों की रक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा तथा महिलाओं के अधिकारों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा पीड़ित महिलाओं को आवश्यक कानूनी सहायता एवं संरक्षण उपलब्ध कराया जाए।

अनीता गुप्ता ने कहा कि महिला जनसुनवाई का उद्देश्य महिलाओं की समस्याओं को सीधे सुनकर उनका प्रभावी समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार के उत्पीड़न, हिंसा अथवा भेदभाव की स्थिति में आगे आकर अपनी शिकायत दर्ज कराएं, जिससे उन्हें समय पर न्याय एवं सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

इस अवसर पर ए.सी.एम.-2 ऋतुप्रिया, जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास सिंह, महिला थानाध्यक्ष कमर सुल्ताना सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।इसके उपरांत राज्य महिला आयोग सदस्य अनीता गुप्ता द्वारा ग्राम पंचायत सिंहपुर में जिला कार्यक्रम अधिकारी विभाग द्वारा आयोजित महिला जन-जागरूकता चौपाल, पोषण पंचायत एवं स्वास्थ्य शिविर में प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता करते हुए स्वास्थ्य, पोषण, महिला सुरक्षा एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनीता गुप्ता ने कहा कि महिलाओं का स्वस्थ, शिक्षित एवं आत्मनिर्भर होना एक सशक्त समाज की पहचान है। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार महिलाओं और बालिकाओं के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं, जिनका लाभ अंतिम पंक्ति तक खड़ी प्रत्येक पात्र महिला तक पहुंचाना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आर्थिक आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने माताओं एवं अभिभावकों से बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया तथा कहा कि कुपोषण मुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में महिलाओं को संतुलित आहार, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, एनीमिया से बचाव, पोषण संबंधी सावधानियों तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। स्वास्थ्य शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराई गईं। वहीं पोषण पंचायत के माध्यम से पौष्टिक आहार, स्वच्छता एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रीति सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए शासन की योजनाओं, महिला कल्याण कार्यक्रमों तथा स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी विषयों की जानकारी प्राप्त की। महिला जागरूकता चौपाल, पोषण पंचायत एवं स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से महिलाओं को सशक्त, जागरूक एवं स्वस्थ बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किया गया।

पीर बाबा का डर दिखा महिला से लूटे कान के बाले, जादुई पुड़िया का झांसा देकर टप्पेबाज चंपत, तलाश जारी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर में पीर बाबा का डर दिखाकर तीन टप्पेबाजों ने महिला को सम्मोहित किया और उसके कान के बाले व नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस सीसीटीवी की मदद से आरोपियों की तलाश में जुटी है। कानपुर के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में टप्पेबाजों ने महिला को पीर बाबा का डर दिखाकर बाले उतरवा लिए और लेकर फरार हो गए। टप्पेबाजी का अहसास होने पर महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पनकी रतनपुर निवासी सुषमा ने बताया कि गुरुवार दोपहर वे कृष्णा विहार आवास विकास निवासी अपने वकील से मिलने जा रही थीं।

चुंगी तिराहे पर पेट्रोल पंप के पास पहुंची। तभी पीछे से तीन युवक आए और खुद को सैयद बाबा का उपासक बताया। इसके बाद एक गिट्टी और पुड़िया हाथ मे रख दी, जिससे धुआं निकलने लगा। इसी दौरान शातिरों ने कान के बाले और 500 रुपये हाथ मे रखने को कहा।

मति भृम होने पर सुषमा ने बाले उतार कर रख दिए। इसके बाद आंख बंद कर कुछ दूर पैदल चलने को कहा। सुषमा जैसे ही पीछे मुड़ीं, तो टप्पेबाज बाले और 500 रुपये लेकर चंपत हो चुके थे। कल्याणपुर इंस्पेक्टर ने बताया कि सीसीटीवी के माध्यम से टप्पेबाजों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

डिजिटल संचार के क्षेत्र में सूचना विभाग की प्रभावी पहल

» विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चैनल ''सूचना प्रवाह'' का हुआ शुभारंभ

» सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों की जानकारी सहजता से पहुंचेगी आमजन तक

» बीपीएस न्यूज

उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा डिजिटल संचार को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विभाग के आधिकारिक यूट्यूब चौनल ÷सूचना प्रवाह÷ का शुभारंभ लोक भवन, लखनऊ में किया गया।

चैनल का शुभारंभ सूचना निदेशक विशाल सिंह एवं अपर सूचना निदेशक अरविंद कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर निर्माता फिल्म अभय कुमार श्रीवास्तव, फिल्म निर्माण प्रबंधक संदीप पांडेय सहित सूचना विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

'सूचना प्रवाह' उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसंपर्क विभाग का आधिकारिक डिजिटल मंच है, जिसके माध्यम से प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास परियोजनाओं, महत्वपूर्ण निर्णयों, उपलब्धियों, जनहितकारी कार्यक्रमों तथा शासन की विभिन्न पहलों से संबंधित प्रमाणिक, तथ्यपरक एवं त्वरित जानकारी आमजन तक पहुँचाई जाएगी। इसके साथ ही विभाग द्वारा निर्मित वृत्तचित्र, विशेष रिपोर्ट, प्रेरणादायी वीडियो, सरकारी अभियानों तथा महत्वपूर्ण आयोजनों का भी नियमित प्रसारण इस मंच पर किया जाएगा। इस अवसर पर सूचना निदेशक विशाल सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में डिजिटल मीडिया जनसंचार का सबसे प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। ऐसे में ÷सूचना प्रवाह÷ यूट्यूब चैनल सरकार और जनता के बीच संवाद का एक सशक्त सेतु सिद्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस मंच के माध्यम से नागरिकों को सरकार की योजनाओं, नीतियों एवं विकास कार्यों की विश्वसनीय और प्रमाणिक जानकारी सरल, सहज एवं आकर्षक स्वरूप में उपलब्ध कराई जाएगी। अपर निदेशक अरविंद कुमार मिश्र ने कहा कि विभाग समय के साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाते हुए जनसंचार के नए आयाम स्थापित कर रहा है। ÷सूचना प्रवाह÷ के माध्यम से प्रदेश की विकास यात्रा, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा शासन की उपलब्धियों को अधिक व्यापक स्तर पर लोगों तक पहुँचाया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं की सही एवं समयबद्ध जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

यह यूट्यूब चैनल प्रदेश सरकार की उपलब्धियों और जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों के प्रसार का एक प्रभावी मंच बनेगा तथा आमजन और शासन के बीच संवाद को और अधिक मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पूर्व विधायक मुनींद्र ने पेपर लीक, अयोध्या में श्रीराम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण पर सरकार को घेरा

घाटमपुर। पूर्व विधायक मुनींद्र शुक्ला ने सरकार पर जमकर हमला बोला। साथ ही कहा कि पीडीए अबकी चुनाव में भाजपा को उखाड़ फेंकेंगा। सपा के पूर्व विधायक मुनींद्र शुक्ला ने पेपर लीक, अयोध्या में श्रीराम मंदिर चंदा चोरी प्रकरण व बिजली संकट पर सरकार पर कड़े प्रहार किए। वह गुरुवार को साढ़ में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। उन्होंने एक विधायक पर अवैध खनन व भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पीडीए प्रदेश से भाजपा को उखाड़ फेंकेंगा।

मंडी शुल्क लागू होने के विरोध में 22 जून से 30 जून तक प्रदेशव्यापी आंदोलन की घोषणा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के तत्वाधान में राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र की अध्यक्षता में नौबस्ता गल्ला मंडी में हुए व्यापारी संवाद व प्रदेश की अन्य मंडियों में ऑनलाइन संवाद में प्रदेश की 220 मंडियों मे सभी कृषि उत्पादों ,किराना बाज़ार की वस्तुओं, लकड़ी, रुई व गुड़ आदि उत्पादों के व्यापार व उद्योग पर जियोटैगिंग ऐप के माध्यम से वाहन टैगिंग व्यवस्था 1 जुलाई से प्रयोग के तौर पर 2 महीने के लिए लागू करने, गेट पास पर एक निर्धारित समय सीमा, पुरानी फर्मों के लाइसेंस नवीनीकरण में पुनः दो गारंटर की बाध्यता,पार्टनरशिप फर्म बनाने के लिए जटिलता , भुना चना पर मंडी शुल्क लागू होने के विरोध में 22 जून से 30 जून तक प्रदेशव्यापी आंदोलन की घोषणा की गई।

बताया कि दो दिवसीय बुंदेलखंड दौरे पर मंडी व कृषि उत्पाद व्यापारियों उद्यमियों के साथ संवाद होगा। नोवस्ता गल्ला मंडी में लगभग 100 व्यापारी व ऑनलाइन पचास मंडियों के व्यापारी शामिल हुए। कहा गया कि 9 क्विंटल से अधिक व पूरे ट्रक से कम कृषि उत्पाद ट्रांसपोर्ट नगर भेजने पर दो बार वाहन की टैगिंग नहीं हो सकती इसलिए इस नई समानांतर ऑनलाइन व्यवस्था को वापस लिया जाए।

आगे कहा कि पूरे प्रदेश में गेट पास जारी होने पर एक समय सीमा गेटपास पर निर्धारित कर दी गई है जो कि बहुत कम है। इस वजह से अधिकतर गाड़ियां समय सीमा पार कर जा रही और उन्हें मंडी समिति से जल्द इकाइयां पकड़कर पेनल्टी वसूलने का प्रयास है इसका विरोध किया जाएगा, यह भी कहा कि मंडी समिति के लाइसेंस नवीनीकरण होने हैं व जिनके लाइसेंस नवीनीकरण नहीं भी होने हैं उन्हें भी 1 जुलाई 2026 से दो गारंटर देने होंगे जो कि पहले दे चुके हैं।इन सभी समस्याओं को लेकर प्रदेशव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।

भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अजय बाजपेयी ने कहा कि 3 क्विंटल से अधिक व पूरे ट्रक से कम किराना या अन्य कृषि उत्पाद छोटे वाहन से ट्रांसपोर्ट नगर भेजने पर अन्य ट्रक पर लोड होने के उपरांत दो बार वाहन की टैगिंग नहीं हो सकती इसलिए इस नई समानांतर ऑनलाइन व्यवस्था को वापस लिया जाए।आगे कहा कि प्रोपाइटर शिप फर्मों में पार्टनर बनाने के लिए मूल आवंटी द्वारा आवंटित दुकान के प्रीमियम धनराशि का 51त्न देने के नियम बनाए जाने उपरांत एक भी व्यापारी ने इसमें आवेदन नहीं किया है।

इस व्यवस्था में बहुत खामियां हैं इसका भी विरोध किया जाएगा। भारतीय कृषि उत्पाद उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के जिला वरिष्ठ महामंत्री गोपाल शुक्ला ने* बताया कि वर्ष 2020 से ऑनलाइन व्यवस्था के साथ एक और दूसरी समानांतर ऑनलाइन व्यवस्था लागू करना कतई उचित नहीं है, इससे कृषि उत्पाद का व्यापार प्रभावित होगा।इस नई ऑनलाइन समानांतर व्यवस्था का विरोध किया जाएगा

कांग्रेसियों ने उठाई अयोध्या राम मंदिर के चोरी मामले में निष्पक्ष जांच की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटना से आहत कांग्रेसजनों ने हनुमान मंदिर में ढोलक, मंजीरा बजाकर और हनुमान चालीसा पढ़कर की पूजा-अर्चना, सद्बुद्धि के साथ निष्पक्ष जांच की मांग कीकांग्रेसजनों ने मेस्टन रोड बीच वाला मंदिर राम जानकी मंदिर पहुंचकर ढोलक मंजीरा बजाकर हनुमान चालीसा का पाठ करते हुए विधिवत प्रार्थना की तथा भगवान राम और हनुमान जी से शासन, प्रशासन एवं मंदिर ट्रस्ट को सद्बुद्धि प्रदान करने की प्रार्थना की। साथ ही सरकार से इस पूरे प्रकरण की समयबद्ध, निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराने की मांग उठाई।जांच के लिए गठित स्ढ्ढञ्ज के मुखिया भी संदिग्ध हैं क्योंकि खुद जांच के घेरे में हैं,तो निष्पक्ष जांच कैसे संभव है।अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि अयोध्या में ऐसे पवित्र स्थल पर चढ़ावे और मंदिर की संपत्ति से जुड़ी अनियमितताओं एवं चोरी की खबरों ने प्रत्येक राम भक्त की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। पवन गुप्ता ने कहा कि यदि भगवान राम के मंदिर में भी श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित चढ़ावा सुरक्षित नहीं है, तो यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार को अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करते हुए सच्चाई को जनता के सामने लाना चाहिए।

इस दौरान संजय शाह, दिलीप बाजपेई, धर्मेन्द्र सिंह, रामजी दुबे, आशुतोष शुक्ला, विवेक पाल, शांतनु दीक्षित, मुकेश कनौजिया, विषनाथ जायसवाल, नीरज तिवारी, नागेंद्र यादव, दिनेश चौधरी, मनोज अवस्थी, रवि बाजपेई, सुधीर साहू, विनोद अवस्थी आदि उपस्थित रहे।

पति के तमाचा जड़ने पर फर्श पर गिरी पत्नी की मौत, पिता बोला- दहेज की मांग पूरी न होने पर बेटी को मार डाला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर । सेनपश्चिम पारा थाना क्षेत्र के स्वर्ण जयंती विहार में शनिवार देर रात पति के तमाचा जड़ने पर पत्नी की जमीन पर मुंह के बल गिरकर मौत हो गई। मृतका के पिता ने दामाद पर दहेज की मांग पूरी न होने पर पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने पति को हिरासत में लेकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।हमीरपुर के थाना मौदहा के ग्राम महरोली खुर्द निवासी श्यामबाबू ने बताया कि परिवार में पत्नी कल्पना, बेटी शिखा और निशा निगम (30) थी। निशा की शादी जनवरी 2012 को सेनपश्चिम पारा के स्वर्ण जयंती विहार निवासी आशीष निगम से की थी। आशीष निवाण का व्यापार करता है। श्यामबाबू ने बताया कि निशा के दो बेटे (12) और (6) हैं। आरोप है कि दामाद दहेज की मांग पूरी न होने पर अक्सर बेटी को प्रताड़ित करता था। शनिवार देर रात दामाद शराब के नशे में आया और निशा को पीट दिया।तमाचा जड़ने से उसके मुंह से खून निकलने लगा।

इसके बाद आशीष उसे खुद अस्पताल ले गया जहां डॉक्टर ने निशा को मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी आशीष ने निशा की बांदा निवासी बहन को फोन से दी। एसीपी चकेरी आशुतोष सिंह ने बताया कि आरोपी पति ने पूछताछ में बताया कि निशा का टीबी का इलाज चल रहा था।

पिता फूट-फूटकर बिलखता रहा

रविवार शाम पांच बजे पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे निशा के पिता श्यामबाबू ने बिलखते हुए बताया कि बेटी को पीटकर मार डाला। अब दोनों नाती को कौन पालेगा। पोस्टमार्टम हाउस में पिता के अलावा ससुराल और मायके से और कोई नहीं आया। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के परिजनों को सुबह से कई कॉल की गई लेकिन कोई आने को तैयार नहीं हुआ। पोस्टमार्टम कराने आए दरोगा ने बताया कि अंतिम संस्कार के लिए रुपये नहीं थे। इस वजह से वह लोग पूरा दायित्व निभाएंगे।

यूपीकैटेट 2026: परास्नातक प्रवेश परीक्षा में 70 तथा एबीएम में 21 रहे अनुपस्थित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश संयुक्त कृषि एवं प्रौद्योगिकी प्रवेश परीक्षा (यूपीकैटेट-2026) के तहत बृहस्पतिवार को परास्नातक (पीजी), पी एचडी एवं एबीएम पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कानपुर के तीन परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा हुई।विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार स्नातकोत्तर एवं पी एचडी प्रवेश परीक्षा के लिए 785 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 715 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 70 अनुपस्थित रहे।इसी प्रकार द्वितीय पाली में एबीएम प्रवेश परीक्षा हेतु 132 छात्र पंजीकृत थे जिनमें 111 ने प्रवेश परीक्षा दी तथा 21 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।परीक्षा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहे। कुलसचिव रेनू सिंह ने सभी परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कानपुर में जवाहरलाल नेहरू इंटर कॉलेज पनकी रोड कल्याणपुर तथा सरदार पटेल पब्लिक स्कूल जूही बर्रा, को परीक्षा केंद्र बनाया गया। परीक्षा शुरू होने से पहले अभ्यर्थियों की पहचान पत्रों की जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन और आवश्यक दस्तावेजों के मिलान के बाद ही प्रवेश दिया गया।

सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की गई, जबकि नकल रोकने के लिए उड़न दस्ते सक्रिय रहे। विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी और नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराई गई। यूपीकैटेट के माध्यम से प्रदेश के कृषि विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर सहित कृषि, उद्यान, वानिकी, कृषि अभियांत्रिकी, पशु चिकित्सा एवं अन्य कृषि संबंधी पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार परीक्षा परिणाम 30 जून को घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके बाद ऑनलाइन काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू होगी, जिसके आधार पर विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों एवं संबद्ध महाविद्यालयों में प्रवेश दिए जाएंगे।

कानपुर डीएम ने पीएचसी अहिरवां का किया निरीक्षण, अनुपस्थित मिले फार्मासिस्ट

» बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने शनिवार को नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) अहिरवां का निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवा उपलब्धता तथा मरीजों को प्रदान की जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान एक फार्मासिस्ट के अनुपस्थित मिलने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्रवाई के निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. बृजभान सिंह यादव ने जिलाधिकारी को स्वास्थ्य केंद्र पर संचालित सेवाओं एवं उपलब्ध संसाधनों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र पर आवश्यक दवाएं पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं तथा पैथोलॉजी सेवाएं नियमित रूप से संचालित की जा रही हैं। निरीक्षण के समय फार्मासिस्ट योगेश सिंह अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने उनका एक दिन का वेतन काटने तथा स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। वहीं तीन एएनएम भी मौके पर उपस्थित नहीं मिलीं। पूछताछ करने पर बताया गया कि वे क्षेत्र में टीकाकरण अभियान के तहत फील्ड ड्यूटी पर गई हैं।जिलाधिकारी ने मोबाइल फोन के माध्यम से उनसे वार्ता कर उनकी लोकेशन एवं टीकाकरण संबंधी गतिविधियों की पुष्टि की। डीएम सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र पर उपचार कराने आए मरीजों और उनके परिजनों से भी बातचीत कर दवा उपलब्धता, जांच सुविधाओं तथा उपचार व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर विधायक ने किया प्रबुद्ध जनों का

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के (पहले प्रधानमंत्री के रूप में) ऐतिहासिक 12 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, भारतीय जनता पार्टी द्वारा देशव्यापी 'प्रबुद्ध जन सम्मान' कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

इसी कड़ी में गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र से वरिष्ठ भाजपा विधायक सुरेंद्र मैथानी (अधिवक्ता) ने कानपुर के प्रतिष्ठित चिकित्सा विशेषज्ञ के निवास स्थान पर जाकर उन्हें सम्मानित किया।विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कानपुर के विख्यात जनरल और इंटरनल मेडिसिन विशेषज्ञ तथा आंतरिक चिकित्सा एवं गहन चिकित्सा के वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप सहगल के आवास पर पहुँचकर उन्हें अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया। मैथानी ने बताया कि? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और सेवा के नए आयाम छुए हैं। समाज के प्रबुद्ध जन, जैसे डॉ. प्रदीप सहगल, अपने अद्वितीय ज्ञान और निस्वार्थ सेवा से राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दे रहे हैं।

चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. सहगल का योगदान कानपुर ही नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।ऐसे कर्मयोगियों का सम्मान करना हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है। विधायक ने रिटायर्ड जज जगमोहन सिंह का पटका और माला पहना करके सम्मान किया।और उन्हें आभार व्यक्त करते हुए उनकी न्यायपालिका के प्रति सेवाओं एवं निष्ठा की सराहना करते हुए, मोदी जी एवं योगी जी की तरफ से उन्हें सम्मानित किया। ?इस अवसर पर डॉ. प्रदीप सहगल ने विधायक मैथानी का आभार व्यक्त किया और प्रधानमंत्री के विजन की सराहना की। सम्मान कार्यक्रम के दौरान विधायक सुरेंद्र मैथानी, मंडल अध्यक्ष अजय राय, अरुण शर्मा, दीपक राजपूत एवं मोहन विश्वकर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर स्थित कैंटीन एवं चाय-चाट दुकान की नीलामी 30 जून को होगी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नीलाम अधिकारी/उपजिलाधिकारी नर्वल (न्यायिक), कानपुर नगर ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि कलेक्ट्रेट परिसर, कानपुर नगर में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए स्थित कैंटीन एवं चाय-चाट की दुकान (मस्जिद के निकट) के संचालन हेतु खुली नीलामी का आयोजन दिनांक 30 जून, 2026 को किया जाएगा।

उक्त नीलामी प्रक्रिया दिनांक 30 जून, 2026 को सायं 4ः00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, कानपुर नगर में संपन्न होगी। नीलामी में प्रतिभाग करने के इच्छुक व्यक्ति एवं बोलीदाता निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर भाग ले सकते हैं।

नीलामी से संबंधित नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यालय कार्यदिवस में नाजिर सदर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। नीलामी में भाग लेने वाले प्रत्येक इच्छुक बोलीदाता को जमानत धनराशि के रूप में ?10,000 (दस हजार रुपये) अग्रिम रूप से जमा कराना अनिवार्य होगा। नीलामी की कार्यवाही निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार संपादित की जाएगी तथा सर्वाधिक बोली लगाने वाले पात्र बोलीदाता के पक्ष में नीलामी स्वीकृत की जाएगी। जनसामान्य एवं इच्छुक व्यक्तियों से अधिक से अधिक संख्या में नीलामी प्रक्रिया में सहभागिता करने का अनुरोध किया गया है।

धंसे डॉट नाले का विधायक अमिताभ बाजपेई ने पुनः किया निरीक्षण

कानपुर। आर्यनगर विधायक अमिताभ बाजपेई ने धंसे हुए डॉट नाले के मरम्मत कार्य का पुनः निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान किस्मत ने साथ दिया कार्य सफल हो गया। तथा उसमें पाइप डालने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। अगले दो दिनों में कार्य पूर्ण होने के बाद नाले का संचालन सुचारु रूप से प्रारंभ हो जाएगा, जिससे क्षेत्र की गंदे पानी, सीवर जलनिकासी व्यवस्था बाजपेई ने अधिकारियों से कहा कार्य को गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए तथा प्रभावित परिवारों की सुरक्षा और सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

गायत्री प्रज्ञा पीठ सचेंडी में किया गया कन्या कौशल शिविर का आयोजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शान्ति कुंज हरिद्वार के मार्ग निर्देशानुसार कन्या कौशल शिविर में प्रातः योग यज्ञ डफली बजाना संभाषण करना आत्म सुरक्षा के उपाय, स्वास्थ्य मंत्र लेखन संबंधी जानकारी गायत्री प्रज्ञा पीठ सचेंड़ी कानपुर ग्रामीण में 19 जून से 21 जून 2026 तक सम्पन्न कराया जा रहा ह।शांतिकुंज की प्रशिक्षण टोली में प्रशिक्षक पूर्णिमा, ज्योति, अन्नपूर्णा तथा अर्जुन प्रशिक्षण देने हेतु पधारे इस कार्यक्रम को युवा प्रकोष्ठ कानपुर देहात के श्रद्धा पाल, सरिता कुशवाहा, कमला सचान, अरुण, महेंद्र सहित कई भाई बहनों की उपस्थिति और व्यवस्था को क्षेत्र में सुचारू रूप से संपन्न करानें में महत्त्व भूमिका निभा।प्रशिक्षण शिविर प्रातः 5 बजे से प्रारंभ होकर साय 7ः00 बजे तक दिया जाता ह। कानपुर देहात व क्षेत्र की बहनों का बड़ी गर्मजोशी से स्वागत और उनका सहयोग पाकर शान्ति कुंज के टोली नायक बहुत खुशी और पूरे मनोयोग से प्रशिक्षण दिलाने हेतु इन दिनों अपनी क्षमता को दर्शित

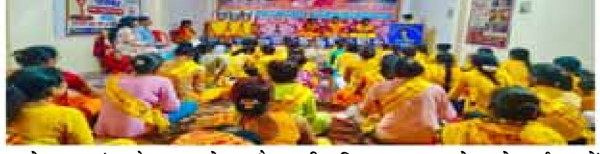

करते हुए प्रसंसा के पात्र बने हुए है। सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले भाई बहनों की व्यवस्था ठहरने एवं भोजन की व्यवस्था बिशन सिंह द्वारा गायत्री प्रज्ञा पीठ में ही की गई है।

उमस भरी गर्मी में लगातार अस्पतालों में बढ रही मरीजों की संख्या

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। लगातार पड रही उमस भरी गर्मी के कारण जहां शहरवासी परेशान है तो वहीं अस्पतालों में विभिन्न रोगो से ग्रसित मरीजो की संख्या में लगातार बढोत्तरी होती जा रही है। उर्सला, हैलट सहित प्राइवेट नर्सिंग होम मरीजो से भरे पडे है। गर्मी के कारण उल्टी, दस्त, सिर दर्द, डायरिया सहित त्वचारोगो के मरीजों की संख्या ज्यादा देखी जा रही है।

शहर में उमस भरी गर्मी ने जीना दुश्वार कर दिया है। सडकों पर जहां दोपहर में सन्नाटा दिखाई देता है, तो वहीं लोग गर्मी से बचने के लिए तरल शीतल पेय पदार्थ पीते नजर आते है। गर्मी में बाहर का यही अनहाईजेनिक खाना पीना लोगों की बीमारी का करण बन रहा है। शहर के अस्पतालों में बडी संख्या में सिरदर्द, हीटस्ट्रोक, डायरिया, पेटदर्द के साथ ही त्वचा रोगी पहुंच रहे है। धूप, गर्मी और पसीने के कारण विशेष तौर पर त्वचा के रोगी ज्यादा है। ऐसे मरीजों को फंगल संक्रमण, घमौरी और पसीने के कारण वैक्टीरिया का खतरा बढा है और हर तीसरा मरीज बीमारी से ग्रसित है। डाक्टरो का कहना है कि पसीने के कारण शरीर में हमेशा नमी बनी रहती है, जिससे वैक्टीरिया पनपती है। दाद, खाज, खुजली, घमौरिया जैसे त्वचारोग उत्पन्न हो रहे है। बताया कि गलत खान-पान के कारण भी मरीजों की संख्या बढी है। कहा जिन मरीजों को शरीर में इन्फेक्शन है वह सावधानी बरते। ज्यादा खुजली न करे और अपने कपडे अलग रखे। फंगस के कारण दाद होता है और खुजलाने में जहां जलन होती है वहीं यह तेजी से अन्य स्थानों पर भी फैलता है। ऐसे में तत्काल चेकअप कराकर उचित इलाज कराये।

उन्होने कहा कि फंगल इन्फेंक्शन शरीर में जहां पसीना टिकता है वहां से इसकी शुरूआत होती है। इसके लिए स्नान के बाद पाउडर लगाये, शरीर को स्वच्छ रखे, हल्के कपडे पहने खास तौर पर कॉटन के कपडो का ज्यादा उपयोग करे साथ ही नीम उबालकर या पानी में डिटोल मिलाकर स्नान करे। हरी सब्जी का सेवान करे, शरीर में पानी की कमी न हो इसके लिए पानी पीते रहे तथा भरपेट भोजन न करे। घर से बाहर निकलते समय शरीर को ढके रहे। बताया कि अभी आने वाले दिनों में बरसात शुरू हो जायेगी, तब नमी का स्तर और भी बढेगा, इसके लिए पहले से ही सावधान रहें।

यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का चौंकाने वाला दावा, समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद संपर्क में

» बीपीएस न्यूज

महाराष्ट्र में शिवसेना और पश्चिम बंगाल में TMC में चल रही राजनीतिक उथल-पुथल के बीच, उत्तर प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने चौंकाने वाला दावा किया है कि समाजवादी पार्टी के 25 से 26 सांसद अभी पाला बदलने और पार्टी तोड़ने को तैयार हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब बीजेपी नेताओं का दावा है कि ममता बनर्जी और उद्धव ठाकरे की पार्टियों में फूट के बाद अब अखिलेश यादव की पार्टी की

बारी है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने साफ़ कहा कि बीजेपी अभी खुद से एसपी को नहीं तोड़ रही है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों तक, ये नेता आपसी मतभेदों के कारण अपने-आप पार्टी छोड़ देंगे। इससे पहले, राज्य सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा था कि समाजवादी पार्टी में बड़ी फूट पड़ने वाली है। राम गोपाल यादव ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को एक पत्र भी सौंपा है। माइनिंग और गोमती रिवर फ्रंट घोटालों का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पूरा यूपी इनके मास्टरमाइंड को जानता है और कानूनी कार्रवाई के डर से पूरी SP, BJP में शामिल होने के लिए तैयार है।

इस मौके पर यूपी के मंत्री मनोज पांडे ने यह भी तंज कसा कि आज कोई भी स्क्रके साथ नहीं रहना चाहता, जिसने सत्ता में रहते हुए लोगों को दूर कर दिया था। समाजवादी पार्टी ने BJP के इन सभी दावों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता और स्क्रविधायक माता प्रसाद पांडे ने लखनऊ में पलटवार करते हुए कहा, 'ओम प्रकाश राजभर खुद एक बड़ा घोटाला हैं।' वहीं, स्क्र नेता रविदास मेहरोत्रा ने राजभर को दोमुंहा व्यक्ति बताया और कहा कि वे अपनी मंत्री की कुर्सी बचाने के लिए ही ऐसे बयान देते हैं। 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में सरकार बनेगी और स्क्रका कोई भी नेता BJP में शामिल नहीं होगा।

कानपुर में सीएमः प्राकृतिक खेती ही विकसित भारत की नींव

सीएम योगी ने रसायनों के दुष्प्रभावों से किया आगाह, 34 जिले होंगे मॉडल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक खेती को स्वस्थ समाज और समृद्ध किसान की कुंजी बताया है। उन्होंने 34 जिलों में विशेष अभियान चलाकर गो-आधारित खेती और कृषि उत्पादों के विपणन को नई दिशा देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब दुनिया वैश्विक ऊर्जा संकट और आर्थिक चुनौतियों से जूझ रही थी, तब भारत मजबूती के साथ खड़ा रहा।

अनेक देशों में महंगाई बेकाबू हुई, लेकिन भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हालात को नियंत्रित रखा और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब देश का अन्नदाता किसान समृद्ध और स्वस्थ होगा। उन्होंने किसानों से रासायनिक खेती के स्थान पर प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान किया।

व्यापक सुरक्षा और सहायता प्रदान की

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने किसानों को लागत का न्यूनतम डेढ़ गुना मूल्य देने की व्यवस्था लागू की। इसके साथ ही सॉइल हेल्थ कार्ड, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से किसानों को व्यापक सुरक्षा और सहायता प्रदान की गई।

खाद्यान्न में रसायनों की मात्रा भी बढ़ी है

मुख्यमंत्री ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से खेती की लागत बढ़ने के साथ-साथ लोगों के स्वास्थ्य पर भी गंभीर दुष्प्रभाव पड़ रहे हैं। किडनी, लीवर, ब्लड प्रेशर और मधुमेह जैसी बीमारियों के बढ़ते मामलों का एक कारण खाद्यान्न में रसायनों की बढ़ती मात्रा भी है।

34 जिलों में प्राकृतिक खेती को दिया जा रहा बढ़ावा

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती किसानों की लागत घटाने के साथ समाज को स्वस्थ बनाने का माध्यम बन सकती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 34 जिलों में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। गंगा तट के 27 जिलों और बुंदेलखंड क्षेत्र के सात जिलों को विशेष रूप से प्राकृतिक खेती के लिए चिन्हित किया गया है।

कृषि परंपरा को मजबूत करने का भी प्रयास

सरकार उत्पादों के प्रमाणन, पैकेजिंग और विपणन की व्यवस्था विकसित कर रही है, ताकि किसानों को बेहतर मूल्य मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल आर्थिक लाभ का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और गो-आधारित कृषि परंपरा को मजबूत करने का भी प्रयास है।

7700 से अधिक गोशालाओं में लगभग 14 लाख गोवंश संरक्षित

उन्होंने बताया कि प्रदेश में 7700 से अधिक गोशालाओं में लगभग 14 लाख गोवंश संरक्षित हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किसानों को गोवंश पालन के लिए आर्थिक सहायता भी दी जा रही है।

कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता के चलते पराली, गोबर और कृषि अपशिष्ट को भी ऊर्जा का स्रोत बनाया जा रहा है।

कोर्ट पहुंचा राम मंदिर चढ़ावा चोरी का मामला, आज हो सकती है सुनवाई; सीबीआई से जांच पर भी होगा निर्णय

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे की चोरी के आरोपों वाले मामले में दाखिल जनहित याचिका (पीआईएल) पर सोमवार (22 जून) को सुनवाई संभावित है। याचिका में मामले की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराने और चढ़ावे का ऑडिट नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) से कराने की मांग की

गई है।सोमवार की वादसूची में न्यायमूर्ति पंकज भाटिया और न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की ग्रीष्म अवकाश कालीन खंडपीठ के समक्ष पीआईएल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता मोहित अशोक ने बताया की वह सोमवार को इस अहम मामले की शीघ्र सुनवाई किए जाने का अनुरोध कोर्ट से करेगा। इसी 19 जून को समय की कमी के कारण अदालत इस पर सुनवाई नहीं कर सकी थी और अब इसपर 22 जून को सुनवाई हो सकती है।

बहू की मौत में कांग्रेस नेता समेत पांच पर दहेज हत्या की रिपोर्ट, पुलिस ने ससुर को हिरासत में लिया

» बीपीएस न्यूज

इटावा। कोतवाली क्षेत्र के कटरा फतेह मोहम्मद खां में नवविवाहिता की मौत के मामले में पुलिस ने गुरुवार को मायके पक्ष की तहरीर पर पांच ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या की प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस ने ससुर को हिरासत में ले लिया है, जबकि पति और सास फरार है। आगरा के जैतपुर कला निवासी राधा देवी ने पुलिस दी तहरीर में बताया था कि उन्होंने बेटी मोना की शादी 12 मार्च को क्षेत्र के बलराम सिंह शंखवार के पुत्र सचिन के साथ की थी।आरोप है कि शादी के बाद से ही कांग्रेस से 2014 में लोस प्रत्याशी रहीं सास हंसमुखी, ससुर बलराम शंखवार, पति सचिन और ननद शिवांगी दहेज के लिए मोना को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। मां राधा देवी के मुताबिक, 16 जून की शाम करीब साढ़े पांच बजे दामाद सचिन ने फोन कर बताया कि मोना की तबीयत खराब है और उसे अस्पताल ले जा रहे हैं। जब वे जिला अस्पताल पहुंचे तो मोना की मौत हो चुकी थी।डॉक्टरों के मुताबिक, महिला के गले पर कसने के निशान हैं। मायके वालों का आरोप है कि उनकी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी गई थी और मामले को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को फंदे पर लटका दिया था। मायके पक्ष की तहरीर पर पति समेत पांच के खिलाफ दहेज अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। विवेचक सीओ सिटी अभय नारायण राय ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

राम मंदिर चंदा गबन मामलाः गड़बड़ी प्रकरण के बीच श्रद्धालुओं की संख्या में भारी गिरावट, चढ़ावे पर भी पड़ा असर

» बीपीएस न्यूज

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानराशि में गड़बड़ी के मामले की जांच के बीच अब मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में भी कमी दर्ज की जा रही है। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दानराशि में गड़बड़ी के मामले की जांच के बीच अब मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या और चढ़ावे में भी कमी दर्ज की जा रही है। मंदिर से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जहां पिछले कई महीनों से प्रतिमाह औसतन सात करोड़ रुपये के आसपास दान राशि प्राप्त हो रही थी, वहीं पिछले एक पखवाड़े में यह आंकड़ा घटकर करीब डेढ़ करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

दान राशि गड़बड़ी प्रकरण सामने आने और उसके बाद एसआईटी जांच शुरू होने के बाद मंदिर की व्यवस्थाओं को लेकर देशभर में चर्चा तेज हुई है। हालांकि मंदिर ट्रस्ट लगातार यह दावा कर रहा है कि दान संग्रह और उसकी गणना की प्रक्रिया पूरी तरह सुरक्षित एवं पारदर्शी है,

लेकिन माना जा रहा है कि विवाद के कारण श्रद्धालुओं के एक वर्ग में सवाल भी उठे हैं। इसका असर दान और दर्शनार्थियों की संख्या पर पड़ने की चर्चा मंदिर परिसर और स्थानीय स्तर पर हो रही है।सूत्र बताते हैं कि बीते दिनों दान राशि की गणना प्रक्रिया भी प्रभावित रही। ऐसे माहौल में सामान्य दिनों की तुलना में श्रद्धालुओं की

संख्या में कमी दर्ज की गई है, जिसका सीधा प्रभाव दानपात्रों में जमा होने वाली राशि पर पड़ा है।एक सप्ताह पूर्व जहां राम मंदिर में रोजाना करीब एक लाख दर्शनार्थी आ रहे थे, पिछले तीन दिनों में यह संख्या घटकर 75 हजार हो गई। सूत्रों के अनुसार, इस समय रोजाना करीब सात से आठ लाख का ही दान आ रहा है। राम मंदिर की व्यवस्थाओं से जुड़े एक कर्मी का कहना है कि केवल विवाद को ही दान में कमी का कारण नहीं माना जा सकता। भीषण गर्मी, स्कूल-कॉलेजों के खुलने, विवाह सीजन समाप्त होने और यात्रा के सामान्य चक्र का भी असर श्रद्धालुओं की संख्या पर पड़ा है।

सीएम योगी को खून से लिखा पत्र, अब कृष्ण जन्मभूमि के चढ़ावे पर सवाल!

» बीपीएस न्यूज

सीएम योगी से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे हिंदुओं के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को अपने खून से पत्र लिखा है और मांग की है कि जिस प्रकार अयोध्या में चंदे की रकम आभूषणों का घोटाला हो रहा है उसी प्रकार मथुरा में भी हमारे कृष्ण कन्हैया के जन्म स्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी कई वर्षों से लगातार चंदे की चोरी हो रही है।राम मंदिर के चढ़ावे में कथित घोटालों के बीच मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे की जांच की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान-शाही ईदगाह मामले के पक्षकार दिनेश शर्मा फलाहारी ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए खून से पत्र लिखकर सीएम योगी से सीबीआई जांच की मांग की है। उनका आरोप है कि जिस तरह अयोध्या का मामला सामने आया है उसी तरह मथुरा श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर पिछले कई वर्षों से चढ़ावे का बंदर बांट किया जा रहा है। बता दें शाही ईदगाह प्रकरण के बाद सुर्खियों में आए फलाहारी कई बार खून से पत्र लिखकर सीएम योगी को भेज चुके हैं। सीएम योगी से अपील करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे हिंदुओं के गौरव माननीय मुख्यमंत्री योगी जी को अपने खून से पत्र लिखा है और मांग की है कि जिस प्रकार अयोध्या में चंदे की रकम आभूषणों का घोटाला हो रहा है उसी प्रकार मथुरा में भी हमारे कृष्ण कन्हैया के जन्म स्थान श्री कृष्ण जन्मभूमि मंदिर में भी कई वर्षों से लगातार चंदे की चोरी हो रही है। जब गुल्लकों को खोला जाता है तो सीसीटीवी कैमरे बंद कर दिए जाते हैं। रुपए, आभूषण, सोना, चांदी, हीरे, जवारात सबका बंदर बांट कर लिया जाता है।

जो प्रबंधन कमेटी वाले पहले स्कूटर पर आते थे, आज करोड़ों की गाड़ियों में चलते हैं। करोड़ों अरबों के उनके कोठी बंगला फार्म हाउस हैं। उत्तर प्रदेश में नहीं उत्तराखंड में भी इन्होंने जमीनें खरीदी हैं अपने नाम। तो, जिस प्रकार हमारे करोड़ों हिंदुओं की आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है। यह बहुत ही दुखद है।

बाढ़ की त्रासदी में फिर उजड़ेगी गृहस्थी चार महीने बनेंगे शरणार्थी, प्रशासन सतर्क

» बीपीएस न्यूज

बस्ती। दुबौलिया विकास खंड का सुबिका बाबू गांव साल दर साल बाढ़ की विभीषिका झेलने के लिए अभिशप्त है। सरयू नदी और तटबंध के बीच बसे इस गांव का काया पलट अमृत काल में भी नहीं हो सका है। आवागमन के लिए एक सुलभ रास्ता तक नहीं है। ग्रामीण रोजाना पगडंडी से होकर स्कूल, बाजार, अस्पताल पहुंचते हैं। यहां के लोगों की आठ महीने तो किसी तरह गुजर बसर हो जाती है लेकिन, बाढ़ के समय घर-गृहस्थी अपने हाथों ही उजाड़नी पड़ती है। सरयू की जलधारा उफान पर होने के दौरान ग्रामीण चार महीने तक शरणार्थी बनकर गुजारा करते हैं।बता दें कि सुबिका बाबू गांव दुबौलिया ब्लॉक के कटरिया-चांदपुर तटबंध से एक किमी की दूरी पर स्थित है।

इस गांव के बगल सरयू नदी की सोती है। जबकि मुख्य धारा 500 मीटर की दूरी पर है। तटबंध और नदी के बीच बसा यह गांव बाढ़ के समय चौतरफा पानी से घिर जाता है। पगडंडी की राह से लेकर खेत-खलिहान तक पानी में डूबे रहते हैं। इतनी दुश्वारियां नदी के चेतावनी बिंदु पर पहुंचते ही शुरू हो जाती है। इसके बाद भी ग्रामीण अपना आशियाना नहीं छोड़ते हैं। साग-भाजी, दवा एवं शिक्षा के लिए यहां के नागरिक नाव के सहारे कटरिया- चांदपुर तटबंध पर आते-जाते हैं।

जैसे ही नदी का दायरा बढ़कर लाल निशान तक पहुंचता है बाढ़ की त्रासदी से यहां के ग्रामीणों में भगदड़ मच जाती है। लोग घर-गृहस्थी का सामान बांधकर तटबंध की ओर रूख कर देते हैं। ग्रामीण अपने मवेशियों को भी साथ ले आते हैं। बंधे पर ही पन्नी आदि तानकर इनका गुजर बसर काफी दिनों तक होता है।बाढ़ की विभीषिका के दौरान बच्चों की पढ़ाई बाधित रहती है, खेती-किसानी भी चौपट हो जाता है। ग्रामीणों के अनुसार बाढ़ की वजह से वह एक ही फसल काट पाते हैं। दूसरी फसल पानी में डूबकर बर्बाद हो जाती है।50 घर वाले इस गांव की

कुल आबादी 350 है। इसमें ज्यादातर फूस और मिट्टी के कच्चे मकान हैं। लगातार बारिश और बाढ़ का पानी भरने से मकान भी गिरकर धराशायी हो जाते हैं।

बाढ़ के लौटने पर लोग फूस का इंतजाम कर फिर से रहने के लिए घर बनाते हैं।

अधिकतर परिवार की आमदनी का स्रोत केवल मजदूरी है। मुफलिसी और बेबसी इस कदर कि यहां के लोग सुरक्षित ठिकानों पर जमीन खरीदकर नया आशियाना नहीं बना पा रहे हैं। गांव तक दो पहिया, चार पहिया वाहन पहुंचने के लिए एक सड़क भी नहीं है।

शिवसेना यूटीबी में बगावत पर एक्शन! 6 एमपी को कारण बताओ नोटिस

» बीपीएस न्यूज

महाराष्ट्र। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने गुरुवार को उन सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी किया जो संसदीय दल की एक अहम बैठक में शामिल नहीं हुए थे। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि शिवसेना के कुछ सांसद पार्टी छोड़कर शिवसेना में शामिल हो सकते हैं। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी सांसद अनिल देसाई ने कहा कि बैठक में शामिल न होने वाले सांसदों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है और अनुपस्थित रहने वाले सभी सांसदों को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनसे गैर-हाजिरी का कारण पूछा गया है।

देसाई ने कहा कि बैठक अभी खत्म हुई है, आज ही कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। जब उनसे पूछा गया कि बैठक में शामिल न होने वालों के खिलाफ किस तरह की कार्रवाई की जाएगी, तो उन्होंने कहा कि कार्रवाई यही है- कारण बताओ नोटिस। उनसे पूछा जाएगा कि वे क्यों नहीं आए। जो लोग नहीं आए, उन सभी को नोटिस दिया जाएगा। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि पार्टी सभी गैर-मौजूद सांसदों से जवाब मांगेगी, देसाई ने कहा, हां, सभी को नोटिस भेजा जाएगा। गैर-मौजूद सांसदों से खास तौर पर क्या पूछा जाएगा, इस पर शिवसेना नेता ने कहा कि सवाल कुछ ऐसे होंगे- आपको जानकारी दी गई थी, आपको मैसेज भेजा गया था, और आपको वह मिला भी था। फिर भी आपने यह नहीं बताया कि आप आ रहे हैं या नहीं, इसलिए आपकी गैर-मौजूदगी को इसी नज़रिए से देखा जाएगा।इस बीच, बैठक में शामिल होने के बाद शिवसेना सांसद राजाभाऊ पराग प्रकाश वाजे ने बताया कि बैठक में छह सांसद मौजूद नहीं थे। ऑपरेशन टाइगर के तहत पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच गुरुवार को दिल्ली में पार्टी के संसद कार्यालय में शिवसेना सांसदों की बैठक हुई। इस दौरान वरिष्ठ नेता संजय राउत ने कहा कि जो सांसद बैठक में शामिल नहीं होंगे।

दांतों का पीलापन दूर करना है तो अपनाएं रामबाण उपाय

खूबसूरत मुस्कान न केवल आपके आत्मविश्वास को बढ़ाती है, बल्कि व्यक्तित्व में भी चार चांद लगा देती है। लेकिन चाय, कॉफी, जंक फूड और गलत आदतों के कारण दांतों पर पीली परत जमने लगती है, जिसे हमारा कॉन्फिडेंस लो हो जाता है। यदि आप भी पीले दांतों से परेशान हैं और महंगे ट्रीटमेंट नहीं कराना चाहते हैं तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है, आपके किचन में रखा फल ही आपकी दांतों को चमका सकता है।

केले के छिलके से चमकेंगे दांत

जिस केले के छिलके को आप कूड़े में फेंक देते हैं, वह आपके दांतों को मोती सा चमका सकता है। केले के छिलके में पोटैशियम, मैंगनीज और मैग्नीशियम जैसे खनिज भरपूर मात्रा में होते हैं, जो दांतों के इनेमल को साफ करने में मदद करते हैं।

केले के छिलके का कैसे करें इस्तेमाल?

केले के छिलके का एक टुकड़ा लें और उसके अंदरूनी हिस्से को अपने दांतों पर लगभग 2-3 मिनट तक हल्के हाथों से रगड़ें। इसके बाद 10 मिनट के लिए छोड़ दें और फिर सामान्य टूथपेस्ट से ब्रश कर लें। हफ्ते में 3 बार ऐसा करने से आपको फर्क महसूस होने लगेगा।

बेकिंग सोडा से चमकेगा दांत

बेकिंग सोडा ब्लीचिंग एजेंट के रूप में काम करता है। यह दांतों की सतह से जिद्दी दागों को हटाने में मदद करता है। आप थोड़ी मात्रा में बेकिंग सोडा लें और उसमें कुछ बूंदे पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। आप इसे हफ्ते में एक बार ब्रश की मदद से अपनी दांतों को रगड़ें। आप इस बात का ध्यान रखें कि आपको बेकिंग सोडा का ज्यादा यूज नहीं करना है। इससे दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचता है।

ऑयल पुलिंग के नुस्खे से चमकेगा दांत

नारियल तेल से 'ऑयल पुलिंग' करना दांतों की सेहत के लिए सबसे पुराना और असरदार तरीका है। एक चम्मच शुद्ध नारियल का तेल मुंह में लें और उसे 5-10 मिनट तक अच्छी तरह कुल्ला करें और फिर थूक दें। यह मूंह के बैक्टिरिया को खत्म करता है और दांत सफेद होता है।

दांतों को चमकाने के लिए क्या खाएं?

दांतों की सफेदी बनाए रखने के लिए आहार में कुरकुरी सब्जियों जैसे गाजर, खीरा और सेब को शामिल करें। ये 'नेचुरल टूथब्रश' की तरह काम करते हैं और दांतों को साफ रखते हैं।

ज्यादा कैफिन से हो सकते हैं दांत पीले

अगर आप अधिक मात्रा में चाय, कॉफी, कोल्ड ड्रिंक्स या फिर तंबाकू का सेवन करते हैं तो इससे बचें। क्योंकि ये आपके दांतों पर जल्दी पीली परत को जमाते हैं।

बिना तंदूर के बनाएं ढाबा स्टाइल भरवां तंदूरी आलू , जाने आसान

रोजाना घर का खाना खाकर हम सभी बोर हो जाते हैं। फिर हमें बाहर खाना खाने से मन करता है। अक्सर ढाबे का खाना देखकर मुंह में पानी आ ही जाता है, क्योंकि मसालेदार जायके आप काफी मिस करते हैं। अगर आपको मसालेदार और भुने हुए तंदूरी आलू मिल जाए, फिर तो मजा ही आ जाए। तंदूरी आलू बनाने के लिए अब आपको तंदूर की कोई जरुरत नहीं है, घर में बड़े ही आसान तरीके से ढाबे जैसा भरवां तंदूरी आलू बना सकते हैं।

सबसे पहले आप छोटे आलू को 80त्न तक उबाल लें। पूरी तरह से आलू को न पकाएं। ठंडा होने के बाद इन्हें अच्छे से छील लें और बीच से चम्मच की मदद से थोड़ा गूदा निकाल लें, जिससे स्टाफिंग अच्छे से फिल हो जाए।

इसके बाद एक कटोरी में कद्दूकस किया हुआ पनीर, निकाला हुआ आलू का गूदा, बारीक कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। फिर इस मिश्रण को आलुओं के अंदर अच्छे से भर दें। अब एक बड़े बाउल में दही, बेसन, अदरक-लहसुन का पेस्ट, सारे मसाले (लाल मिर्च, हल्दी, धनिया, जीरा, गरम मसाला, चाट मसाला), कस्तूरी मेथी, गर्म सरसों का तेल और नमक डालकर अच्छे से फेंट लें। इसके बाद तैयार किए गए भरवां आलुओं को मसालेदार मैरिनेड में अच्छी तरह डुबोकर चारों ओर से कोट कर लें। फिर इन्हें लगभग आधे घंटे के लिए फ्रिज में रख दें, ताकि सभी मसालों का स्वाद आलुओं के अंदर तक अच्छी तरह समा जाए।

अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज द्वारा कन्या कौशल शिविर के प्रशिक्षणर्थियों कों दिया गया प्रमाणपत्र

कानपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा निर्धारित कार्यक्रम भाई बहनों की कार्य दक्षता हेतु कुछ श्रेष्ठ प्रशिक्षण निर्धारित हुए जिन्हें जगह जगह क्षेत्रों में मूर्त रूप देने हेतु युवा प्रकोष्ठ के दक्ष और प्रशिक्षित शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा गायत्री प्रज्ञा पीठ सचेंडी में 19 जून से 21 जून 2026 तक कन्या कौशल शिविर के उक्त आयोजन में सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को प्रमाण पत्र गायत्री मंत्र का दुपट्टा मोमेंटो उप जोन समन्वयक बालू घाट शुक्लागंज समर बहादुर सिंह, जिला समन्वयक कानपुर आर पी लाल और रामसेवक वर्मा, देवेंद्र सचान कानपुर देहात द्वारा सभी उपस्थित प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को सम्मानित किया गया।शांतिकुंज से प्रशिक्षण देने आए टोली नायक अर्जुन व पूर्णिमा, ज्योति, अन्नपूर्णा को यूपीजोन सामान्य द्वारा भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रद्धा पाल द्वारा किया गया। सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले प्रशिक्षण भाई बहनों से फीडबैक लिया गया। गायत्री परिवार कानपुर देहात के राजेंद्र, कमला, सरिता कुशवाहा, शिवा, अमित पाल, शोधने पाल, माया, शिखा, विमलेश, नंदिनी, आस्था, रिंकी, कशिश, गायत्री, सीता देवी, रुचि, दीपांशी, पायल, संध्या कुशवाहा, प्रज्ञा सिंह, श्रद्धा सिंह, श्रद्धा प्रजापति, प्रज्ञा प्रजापति, नेहा, श्रेया शर्मा, सोनाली, सोजल, लक्ष्मी, आयुषी पाल, रिया, साविता, दिव्या कुशवाहा, नित्य गुप्ता, सोनम द्वारा लिए गए प्रशिक्षण के संबंध में विचार व्यक्त कर सराहना की गई।

एक करोड़ रुपये की चरस के साथ दो तस्कर को किया गया गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। अपराध शाखा और बर्रा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में भारी मात्रा में चरस के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया।ऑपरेशन व्हाइट पाउडर के तहत मिली मुखबिर की सूचना पर बर्रा थाना क्षेत्र के प्रिया हॉस्पिटल के सामने अंडरपास के नीचे छापेमारी की गई।इस दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से करीब साढ़े आठ किलो अवैध चरस बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रमजान अहमद उम्र 44 वर्ष और एजाज अहमद उम्र 32 वर्ष के रूप में हुई है। दोनों मसवानपुर, रावतपुर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

कांग्रेस ने डोनाल्ड ट्रंप का चित्र जलाकर जताया विरोध

कानपुर। कानपुर महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यकर्ताओं ने कोतवाली चौराहे पर अमेरिकी राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप के चित्र जलाकर अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में 3 भारतीय नागरिकों की मौत पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। कांग्रेसजनों ने कहा कि इस हमले में जान गंवाने वाले उत्तर प्रदेश के शिवानंद चौरसिया, हिमांचल के आदित्य शर्मा और आंध्र प्रदेश के पटनाला सुरेश के शोक-संतप्त परिवारों के साथ कांग्रेस खड़ी है और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करती है।महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में निर्दोष भारतीय नागरिकों की जान जाना स्वीकार्य नहीं है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस में जी 7 की बैठक में जब ट्रंप से मिलें तो बिना डरे सख्त संदेश देने का काम करें। पवन गुप्ता ने कहा कि यह बेहद दुखद स्थिति है कि एक कमर्शियल जहाज़ के कप्तान को दुनिया के सामने गुहार लगानी पड़ती है, जब हाहाकार मचा, तब जाकर एक्शन शुरू हुआ।पवन गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जितनी देर तक इस मुद्दे पर चुप रहेंगे, उतनी ही देश की संप्रभुता, गौरव और स्वतंत्रता को ठेस पहुंचेगी।अमरीका के खिलाफ सख्त रवैया अपनाने की मांग की गई।मोदी की फ्रांस दौरे में होने वाली मुलाकात में ट्रंप को सख्त जवाब देने की मांग की गई।इस दौरान राकेश साहू, प्रमोद गुप्ता, विनय पांडे, राम गोपाल उत्तम, विनोद अवस्थी, शांतनु दीक्षित, राजेंद्र द्विवेदी, अमिताभ दत्त मिश्रा, जीतेंद्र ब्रह्म, अमित अग्निहोत्री, शिवम द्विवेदी, अनुराग कौशल, मुन्ना खान, भारत आजाद उपस्थित रहे।

हुनर की गूंज पहुंची सात समंदर पार, ब्रिटेन से आई शिवानी के लिए विशेष उपहार

कानपुर। कानपुर की छात्रा शिवानी की सुंदर हस्तलिपि ने पहले लोगों का ध्यान खींचा, फिर मीडिया और सोशल मीडिया के जरिए उसकी कहानी ब्रिटेन पहुंची और अब उसी कहानी से प्रभावित होकर नॉर्थैम्प्टन में रहने वाले भारतीय मूल के चिकित्सक डॉ. आशुतोष शर्मा ने उसके लिए कैलीग्राफी की पुस्तकें और विशेष पेन भेजे हैं। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने यह उपहार शिवानी को सौंपते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ब्रिटेन के नॉर्थैम्प्टन में रहने वाले भारतीय मूल के चिकित्सक डॉ. आशुतोष शर्मा ने जब सोशल मीडिया के माध्यम से शिवानी की कहानी के बारे में जाना तो वह उसकी लगन और लेखन कला से प्रभावित हुए। उन्होंने महसूस किया कि ऐसी प्रतिभाओं को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। चूंकि उन्हें शिवानी के घर का पता ज्ञात नहीं था, इसलिए उन्होंने कैलीग्राफी की पुस्तकें, विशेष पेन तथा अन्य अध्ययन सामग्री जिलाधिकारी कानपुर नगर के पते पर भेजी। साथ ही एक पत्र लिखकर अनुरोध किया कि यह सामग्री शिवानी तक पहुंचा दी जाए।डॉ. आशुतोष शर्मा द्वारा भेजे गए कोरियर और पत्र के क्रम में जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने जनता दर्शन में शिवानी को आमंत्रित किया। इस दौरान उन्होंने शिवानी को कैलीग्राफी की पुस्तकें, विशेष पेन तथा अन्य सामग्री सुपुर्द की। साथ ही एक गुल्लक भी भेंट की तथा बचत की आदत विकसित करने के लिए प्रेरित किया। जिलाधिकारी ने शिवानी को भेजी गई पुस्तकों का गंभीरता से अध्ययन करने, नियमित अभ्यास जारी रखने तथा कैलीग्राफी के क्षेत्र में नया मुकाम हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि शिवानी की उपलब्धि केवल उसकी व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि यह उन सभी बच्चों के लिए प्रेरणा है जो मेहनत और लगन के बल पर अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं। प्रतिभा को सही समय पर प्रोत्साहन और उचित मार्गदर्शन मिले तो बच्चे राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि शिवानी भविष्य में कैलीग्राफी के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगी।

विशेष उपहार प्राप्त कर शिवानी की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसने डॉ. आशुतोष शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपहार उसके लिए बड़ी प्रेरणा है। उसने जिलाधिकारी का भी धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि वह कैलीग्राफी की पुस्तकों का अध्ययन कर अपनी लेखन कला को और बेहतर बनाने का प्रयास करेगी।

ऋषभ बने वैश्विक बाजार क्लाउड टेक्नोलॉजी में भारत की सबसे प्रभावशाली आवाज

कानपुर। क्लाउड कंप्यूटिंग, जहाँ दुनिया के सबसे बड़े उद्यम अपनी डिजिटल गतिविधियों को चलाने के लिए सॉफ्टवेयर पर निर्भर हैं, भारत का एक नाम चुपचाप शिखर तक पहुँच गया है। ऋषभ जॉली, स्द्धष्म्श्यश्द्दह्ल, 5ह्लद्द के सीनियर प्रोडक्ट मैनेजर, स्द्गह्लह्लद्द, ड्ड में बैठकर न केवल क्लाउड टेक्नोलॉजी का भविष्य बना रहे हैं, बल्कि उसे परिभाषित कर रहे हैं। और वे यह सब उन भारतीय मूल्यों, साहस और संस्कारों के साथ कर रहे हैं जो उन्होंने नहीं छोड़े।दिल्ली में पले-बढ़े ऋषभ जॉली जीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने के बाद अमेरिका के University of Arizona के Eller College of Management से MBA करने का साहसिक फैसला किया। यह राह आसान नहीं थी। बिना किसी औपचारिक शिक्षा ऋण के, उन्होंने रिश्तेदारों से पैसे उधार लिए, एक ऐसा निर्णय जिसने उन पर गहरी जिम्मेदारी और उससे भी गहरा फोकस डाल दिया। उस अनुशासन ने रंग दिखाया। 2017 में ऋषभ ने Microsoft में Product Manager के रूप में कदम रखा, दुनिया की सबसे प्रतिस्पर्धी कंपनियों में से एक में जगह बनाई, उस समय जब भारत से Big Tech तक का रास्ता आज जितना समझा नहीं जाता था। दुनिया के सबसे बड़े उद्यमों, यानी बैंकों, अस्पतालों, ई-कॉमर्स दिग्गजों और सरकारों को, अपने डिजिटल सिस्टम की रियल टाइम निगरानी करने, संकट से पहले समस्याओं को पकड़ने और लाखों उपयोगकर्ताओं को निर्बाध डिजिटल सेवाएं देने में सक्षम बनाती है। ऋषभ तय करते हैं कि उत्पाद क्या करेगा, किसके लिए होगा, कैसे विकसित होगा और आगे कहाँ जाएगा। वे वैश्विक एंटरप्राइज ग्राहकों के साथ मिलकर काम करते हैं।

गर्व से भारतीय, सच में वैश्विक अमेरिका में लगभग एक दशक बिताने के बावजूद ऋषभ ने भारत से अपना नाता कभी नहीं तोड़ा। वे खुलकर उन मूल्यों की बात करते हैं । उन्होंने कहा है। ÷भारत की रचनात्मकता और अनुकूलनशीलता की भावना को वैश्विक टेक्नोलॉजी पारिस्थितिकी तंत्र में लाना और यह दिखाना कि भारतीय मूल्यों पर खड़े होकर वैश्विक योगदान दिया जा सकता है। उनकी कहानी लाखों युवा भारतीयों की आकांक्षाओं से जुड़ती है और हर कदम पर भारत का नाम श्रेष्ठता के साथ ऊँचा रखने की जिम्मेदारी।

दिल्ली के एक जिज्ञासु बालक, जिसका कानपुर से गहरा संबंध है, उनकी यहां ससुराल है।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने किया केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदर्शनी का शुभारंभ

» विकसित भारत-2047 के संकल्प को जनभागीदारी से मिलेगी गति : उपमुख्यमंत्री

» प्रदर्शनी में जनपद में हुए विकास कार्यो को किया गया प्रदर्शित, 20 जून तक चलेगी प्रदर्शनी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बृजेन्द्र स्वरूप पार्क में आयोजित '12 वर्ष विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विषयक विकास प्रदर्शनी का मंगलवार को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं विकास प्रदर्शनी का अवलोकन कर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत संरचना परियोजनाओं तथा विकास उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की।

अवलोकन के दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिला एवं बाल विकास विभाग के स्टॉल पर आयोजित संस्कार कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए त्रिशा एवं आरव का विद्यारंभ संस्कार कराया। वहीं दर्श एवं आरोही का अन्नप्राशन संस्कार संपन्न कराया तथा करिश्मा, लक्ष्मी एवं पूजा सिंह की गोदभराई कर उन्हें शुभकामनाएं प्रदान कीं। उन्होंने मातृ एवं शिशु कल्याण से जुड़ी योजनाओं की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त मातृशक्ति ही विकसित समाज की आधारशिला है।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के 9 वर्षों के दौरान सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने का कार्य हुआ है। विकास प्रदर्शनी इन उपलब्धियों को जनता के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का संकल्प है। ऐसे आयोजनों से लोगों को विभिन्न योजनाओं, परियोजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी मिलती है और वे विकास यात्रा के सहभागी बनते हैं। उन्होंने नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन करने तथा विभिन्न विभागों की योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ उठाने की अपील की।प्रदर्शनी में कानपुर नगर निगम, जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), ट्रूफ कंफर्ट्स लिमिटेड (टीसीएल), नेयवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल), 1म660 मेगावाट पनकी तापीय विस्तार परियोजना, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, बेसिक शिक्षा विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग, भारती कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को), महिला कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पराग डेयरी तथा मिशन शक्ति सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए हैं। प्रदर्शनी में जनपद की दसों विधानसभाओं में विगत 9 वर्षो के दौरान हुए विकास कार्यों एवं उपलब्धियों को भी प्रदर्शित किया गया है। वहीं फूड कोर्ट आगंतुकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।पत्रकारों से वार्ता करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में हुए परिवर्तन, विकास कार्यों तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाना इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रदर्शनी आमजन को सरकार की नीतियों एवं उपलब्धियों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। यह प्रदर्शनी 17 जून से 20 जून तक आमजन के लिए खुली रहेगी।इस अवसर पर सांसद रमेश अवस्थी, विधायक नीलिमा कटियार, विधायक महेश त्रिवेदी, विधायक सुरेन्द्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष (उत्तर) अनिल दीक्षित, भाजपा जिलाध्यक्ष (दक्षिण)शिवराम सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष (ग्रामीण) उपेन्द्र पासवान सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

साइबर अपराध जागरूकता शिविर का किया गया सफल आयोजन

» जागरूक बनें, सुरक्षित रहें – साइबर अपराधों से बचें

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपराध मुक्त सामाजिक चिकित्सा समिति द्वारा ष्ट्वस्न लाइन, नई कॉलोनी, पनकी में पुलिस उपायुक्त पश्चिम, एस. एम. कासिम आबिदी के मुख्य आतिथ्य में साइबर सेल पश्चिम जोन की ओर से साइबर अपराध जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करना तथा डिजिटल माध्यमों से होने वाली ठगी एवं अपराधों से बचाव के उपायों की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए पुलिस उपायुक्त पश्चिम ने कहा कि वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध लगातार नए स्वरूप में सामने आ रहे हैं, इसलिए प्रत्येक नागरिक का जागरूक एवं सतर्क रहना अत्यंत आवश्यक है।उन्होंने साइबर अपराधों से बचाव हेतु निम्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला

साइबर ठगी एवं ऑनलाइन फ्रॉड से सतर्क रहें।

किसी भी व्यक्ति के साथ ह्ळ्ळक्क बैंकिंग विवरण एवं पासवर्ड साझा न करें।डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल एवं फर्जी सरकारी अधिकारियों से सावधान रहें।संदिग्ध लिंक एवं फर्जी निवेश योजनाओं से बचें।

साइबर अपराध होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करें।राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शीघ्र शिकायत दर्ज कराएं।

शिविर में साइबर सेल पश्चिम जोन द्वारा निम्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गईइस अवसर पर विजय बहादुर महाप्रबंधक, पनकी परियोजना एवं अनुपम त्रिपाठी, डिप्टी कमांडेंट, ष्ट्वस्न पनकी, अपराध मुक्त सामाजिक चिकित्सा समिति के चेयरमैन आशुतोष बाजपेयी, महासचिव योगेश बाजपेयी एवं सचिव गोपाल गुप्ता सहित बड़ी संख्या में नागरिक, ष्ट्वस्न कर्मी, कर्मचारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

रक्तदान सबसे बड़ा मानव धर्म, इससे बचती हैं अनगिनत जिंदगिया: डीएम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज स्थित रक्तकेन्द्र विभाग द्वारा नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं तथा रक्तदान शिविरों के आयोजन में सहयोग करने वाली सामाजिक संस्थाओं एवं गैर सरकारी संगठनों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों और संस्थाओं को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है। रक्तदान ऐसा दान है, जो सीधे किसी व्यक्ति के जीवन को बचाने का माध्यम बनता है। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति स्वेच्छा से रक्तदान करता है तो वह किसी जरूरतमंद को जीवन का दूसरा अवसर प्रदान करता है।

जिलाधिकारी ने जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के रक्तकेन्द्र की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्थान केवल कानपुर ही नहीं, बल्कि आसपास के अनेक जनपदों के मरीजों के लिए जीवनरेखा के रूप में कार्य कर रहा है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि रक्तकेन्द्र स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के आयोजन में प्रदेश के अग्रणी संस्थानों में शामिल है तथा अब तक 48 हजार से अधिक यूनिट रक्त एवं रक्त अवयव उपलब्ध कराकर हजारों मरीजों के जीवन की रक्षा कर चुका है।

उन्होंने सिविल डिफेंस, कानपुर थैलेसीमिया सोसायटी एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं के योगदान की विशेष सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान को जनआंदोलन का स्वरूप देने में इन संस्थाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनके प्रयासों से समाज में जागरूकता बढ़ी है और आपात परिस्थितियों में मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो पा रहा है।

विशिष्ट अतिथि संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन टाडा ने कहा कि चिकित्सकीय सेवाओं से जुड़े अनुभवों में उन्होंने अनेक ऐसे अवसर देखे हैं जब गंभीर स्थिति में भर्ती मरीजों के लिए स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने आगे आकर जीवनरक्षक भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि रक्तदाता वास्तव में समाज के ऐसे गुमनाम नायक हैं, जिनकी निस्वार्थ सेवा अनगिनत परिवारों के चेहरे पर फिर से मुस्कान लौटाती है।उप-प्रधानाचार्य डॉ. रिचा गिरि ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सकीय आवश्यकता की पूर्ति नहीं, बल्कि मानवता को जोड़ने वाला सामाजिक दायित्व भी है। यह धर्म, जाति और वर्ग के सभी भेदों से ऊपर उठकर मानव सेवा का संदेश देता है। नोडल अधिकारी डॉ. लुबना खान ने बताया कि रक्तकेन्द्र द्वारा कानपुर नगर के साथ-साथ आसपास के 17 जनपदों को भी रक्त एवं रक्त अवयव उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके माध्यम से प्रतिदिन अनेक मरीजों को नया जीवन मिल रहा है।

समारोह में नियमित रक्तदाताओं एवं रक्तदान शिविरों के आयोजन में सहयोग करने वाली संस्थाओं को सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने अधिक से अधिक लोगों से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान करने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि स्वस्थ व्यक्ति समय-समय पर रक्तदान करें तो किसी भी मरीज को रक्त के अभाव में जीवन संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा।

कार्यक्रम में एसआईसी डॉ. सौरभ अग्रवाल, प्रॉक्टर डॉ. यशवंत राव, डॉ. नम्रता निगम, डॉ. नीलिमा सचान, डॉ. मनीष यादव सहित वरिष्ठ चिकित्सक, अधिकारी, सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में रक्तदाता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नम्रता निगम ने किया।

उमस भरी गर्मी से बेहाल रहे कानपुर शहरवासी, सड़कों पर कम रही भीड़

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। भीषण गर्मी के बीच चलने वाली पछियाव गर्मी के साथ उमस का वातावरण बना रहा है। बुधवार को शहर का अधिकतम तापमान 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया वहीं न्यूनतम तापमान भी बढकर 27 डिग्री के आस-पास रहा। दिनभर हल्की हवा तो चलती रही लेकिन उसम से लोग परेशान रहे।

बुधवार की सुबह ही निकली तेज धूप ने दर्शा दिया था कि गर्मी से लोगों को निजात नही मिलने वाली है। साथ ही उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। गर्मी के चलते बाजारो, चौराहो और सार्वजनिक स्थानों पर सामान्य दिनों की अपेक्षा भीड कम दिखाई दी। लोग जरूरी काम होने पर ही सडको पर दिखे। कई लोग और महिलाये अपने को छाते से ढके भी दिखाई दिये। बीते दिनों हुई बारिश और पछुआ हवाओं के कारण वातावरण में नमी बनी हुई है, जिसके कारण उमस हो रही है। आने वाले दिनों में मौसम में परिवर्तन की संभावना जताई जा रही है।वहीं अभी दो दिनों तक तापमान में थोड़ी वृद्धि की संभावना है। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में गर्मी ज्यादा हो रही है। दूसरी ओर जहां लगातार उमस भरी गर्मी में लोग बेहाल हो रहे है तो बिजली संकट बना हुआ है। शहर में बिजली की आंख मिचौली जारी है तो स्थानीय फाल्ट भी बडी चुनौती बना हुआ है। बीते दिनो हुई बारिश के दौरान तापमान में गिरावट आई थी लेकिन फिन तापमान बढने लगा। हवा की औसत गति पांच किलोमीटर प्रतिघंटा रही। वहीं हरियाणा क्षेत्र के पश्चिमी विक्षोभ तथा पाकिस्तान से बांग्लादेश तक बने कम दबाव के कारण मौसम गतिविधियां धीमी हो गयी है। रात के तापमान में भी बढोत्तरी दर्ज की गयी।

पत्रकार संगठन द जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने डीएम को दस सूत्रीय मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। द जर्नलिस्ट एसोसिएशन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश डी के निर्देशानुसार पत्रकार सुरक्षा कानून लागू कराने की मांग को लेकर द जर्नलिस्ट एसोसिएशन कानपुर इकाई के जिला अध्यक्ष एसपी सिंह के नेतृत्व में पत्रकार संघ के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी कानपुर नगर को दस सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उमेश पांडे और मंडल प्रभारी राजू यादव भी मौजूद रहे।एसपी सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ-साथ डिजिटल मीडिया भी जनसंचार का एक महत्वपूर्ण माध्यम बन चुका है। डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकार भी लगातार जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए समाज के लिए कार्य कर रहे हैं। ऐसे में सभी माध्यमों के पत्रकारों को समान अधिकार, सम्मान एवं सुरक्षा मिलना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि पत्रकारों के हितों को ध्यान में रखते हुए दस सूत्रीय मांग पत्र जिलाधिकारी को दिया गया।जिसमें पत्रकारों के साथ होने वाली मारपीट, उत्पीड़न एवं अभद्र व्यवहार के मामलों में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने, पत्रकारों पर दर्ज झूठे मुकदमों की निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाने की मांग की गई है।ज्ञापन में जिला स्तर पर पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए जाने की मांग भी की गई, जिससे पत्रकार अपनी समस्याओं को सीधे उनके समक्ष रख सकें।इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की तर्ज पर डिजिटल मीडिया को भी समान मान्यता देने तथा डिजिटल मीडिया में कार्यरत पत्रकारों को पत्रकार श्रेणी में शामिल कर उन्हें मान्यता, सुरक्षा एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई।कानपुर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से विनय पांडेय (तहसील अध्यक्ष), नेहा शर्मा (सदर तहसील उपाध्यक्ष), अरविंद कुमार यादव (तहसील सचिव), धीरेन्द्र यादव, लाला यादव (जिला उपाध्यक्ष), विवेक राजपूत (तहसील अध्यक्ष), पंकज सिंह, दुर्गेश कुमार (जिला उपाध्यक्ष), रमन श्रीवास्तव, अर्जुन सिंह, दिव्यांश शुक्ला, विवेक कुमार, इरफान, अर्जुन सिंह सहित कई पत्रकार मौजूद रहे।

कानपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी ने कृषि प्रदर्शनी का किया उद्घाटन, अधिकारियों संग की समीक्षा बैठक

» विपक्ष का काम केवल आलोचना करना

» सीएम ने गो आधारित खेती के उपयोग को दिया महत्व

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरूवार को कानपुर पहुंचे। वह सुबह 11:45 बजे चंद्र शेखर आजाद कृषि विश्वविधालय में बने हैलीपैड पर उतरे। इससे पहले उनकी आने की आधिकारिक जानकारी के बाद कानपुर प्रशासन द्वारा सभी तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया था। योगी आदित्यनाथ प्राकृतिक खेती कार्यशाला में शामिल होने के साथ ही लोक निर्माण विभाग तथा उधोग विभाग की परियोजनाओ की समीक्षा की। उन्होने सीएसए में खेती से जुडी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया व कार्यशाला में हिस्सा लिया। इसके उरान्त वह हरकोर्ट बटलर तकनीकि विश्वविधालय परिसर स्थित सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री शहर में लगभग 3 घंटे 50 मिनट तक रहे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरूवार को सीएसऐ हैलीपैड पर 11:45 बजे उतरे, जहां उनका भाजपा के सांसद और विधायकों ने स्वागत किया। स्वागत करने के दौरान सांसद रमेश अवस्थी, मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, सूर्य प्रताप साही के साथ महापौर प्रमिला पाण्डेय, विधायक अभिजीत सिंह सांगा, सुरेन्द्र मैथानी, नीलिमा कटियार, महेश त्रिवेदी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री हैलीपैड पर उतरने के उपरांत चंद्रशेखर कृषि एवं प्रोधोगिकी विश्वविधालय पहुंचे, जहां उन्होने प्राकृतिक ऋृषि प्रदर्शनी का अवलोकन किया, इसके पश्चात् उन्होने किसानों, कृषि वैज्ञानिकों तथा विशेषज्ञों से संवाद किया तथा कहा कि इन सालों में हमने बदले हुए भारत को देखा है, जो बिना रूके बिना थके निरंतर चल रहा है।भारत अपनी विरासत और विकास को आगे बढा रहा है। उन्होने कहा कि ऐसा नही है कि पहले सामर्थ नही था, सामर्थ था लेकिन उसका एहसास कराने वाला नेतृत्व नही था। उन्होने कहा कि आज यदि दो हजार वर्ष पूर्व वाले भारत को देखे तब भी पूरी दुनिया में उसकी 44 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, इसके बाद यदि 400 वर्ष पूर्व देखे तो ग्लोबल हिस्सेदारी 25 प्रतिशत थी। कहा कि हमने विदेशियों की नकल शुरू की और पिछडते चले गये। कहा आजादी के समय हमारी हिस्सेदारी दो प्रतिशत थी। कहा मोदी के नेतृत्व पर विश्वास बढा है। किसानो, महिलाओं, व्यापारियों पर विश्वास करते हुए हम आगे बढे है और उभरती हुई अर्थ व्यवस्था बने है। कार्यक्रम में छोटे लाला, राजेश कुमार त्रिपाठी, आशीष कुमार, सुनील सिंह कटियार, फूल चंद यादव को सम्मानित किया गया।

देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई दिशा में बढ रहा आगे बढ़ रहा है

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आज देश आत्मनिर्भता और विकास की दिशा में देश आगे बढ रहा है। प्राकृतिक कृषि केवल कृषि पद्धति बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट का अभियान है। उन्होने कहा रासायन उर्वकों एवं पेस्टीसाइड के बढते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान तो पहुंचाया ही है, लोगों के स्वास्थ पर भी इसका असर हुआ है। उन्होने कहा एक समय लोग हैंडपंप और तालाबों का पानी पी लेते थे, लेकिन आज किडनी, लीवर आदि अन्य बिमारियों के खतरे ज्यादा तेजी से बढ रहें है। इसके पीछे खान-पान के साथ रासायनिक खेती भी कारण है। वर्तमान व्यवस्था अन्न के नाम पर जहर परोसने का काम नही कर सकती इसलिए पारंपरिक खेती की तरफ लौटना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गो आधारित खेती अपनाने से किसानों की लागत 10 से 12 हजार रू0 तक कम हो सकती है। जहां इससे कीटनाशकों पर होने वाले खर्च में बचत होगी तो वहीं स्वास्थ्य संबधी खर्च भी कम होंगे। उन्होने कहा आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं कवच है लेकिन लक्ष्य ऐसा समाज बनाना है जहां बीमारियां कम हो। उन्होने कहा हम गाय की पूजा करते है। गो आधारित खेती से गोवंश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। कहा कि शॉटकट रास्त अपनाये जाने के कारण आज कई समस्याये सामने आई है। यदि किसान गाय को परिवार का हिस्सा बनाये तो खेती भी मजबूत होगी और गोवंश भी सुरक्षित रहेगा। आज उत्तर प्रदेश में सरकार की निराश्रित गोआश्रय 14 लाख गोवंश सुरक्षित है। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के तहत किसान 4 गोवंश अपने पास रख सकते है, जिसके लिए सरकार 1500रू0 प्रतिमाह सरकार सहायता देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत विश्व में अर्थव्यवस्था में अग्रणी स्थान रखता है। किसान, व्यापारियों, युवाओं और महिलाओं के विश्वास के कारण देश सम्पन्न था और वहीं आत्मविश्वास मोदी जी के नेतृत्व में वापस लौटा है। कहा 2014 के पहल किसान लागत और कम आय के लिए परेशान था, किन्तु अब न्यूनतम समर्थन मूल्य, किसान सम्मान निधी, फसल बीमा और सिंचाई योजनाओं ने किसानों को नई ताकत दी है। विपक्ष का काम केवल आलोचना करना है, लेकिन किसान प्रधानमंत्री मोदी के विजन पर अपनी मोहर लगा चुका है।

कानपुर नगर के जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप ने तामपत्र पर अंकित मुख्यमंत्री का चित्र, उन्हें भेंट किया। कार्यक्रम में विधानसंभा अध्यक्ष सतीश महाना, कृषि मंत्री सूर्य प्रकाश शाही, प्रभारी मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय, समाज कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार असीम अरूण तथा कृषि शिक्षा एंव अनुसंधान राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख भी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर में फंसी बाइक 10 मीटर तक घिसटी छालांग लगाकर युवक ने बचाई जान

कानपुर। शनिवार की सुबह एक हादसे में एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद बाइक ट्रैक्टर में फंस गयी और 10 मीटर तक घिसटती चली गयी। इसी बीच युवक ने छ्लांग लगा दी, जिससे उसकी जान बच सकी, वहीं युवक के मामूली चोटे आई।शहर के जाजमऊ क्षेत्र में शीतला बाजार में शनिवार की सुबह एक बडा हादसा होते-होते उस समय टल गया जब एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने बताया कि जिस ट्रैक्टर से हादसा हुआ वह नमामि गंगे परियोंजना में लगा हुआ था। लोगो ने यह भी बताया कि टक्कर के बाद बाइक ट्रैक्टर में फंस गयी और घिसटती चली गयी। बाइक सवार अफरोज खान ने बताया कि वह एक प्राइवेट कर्मचारी है और चमनगंज के हुमायु बाग निवासी है। उन्होने बताया कि वह गज्जू पुरवा से हडडी मील की ओर जा रहे थे, कि अचानक ट्रैक्टर ने उन्हे टक्कर मार दी, जिससे उनकी बाइक ट्रैक्टर में फंस गयी और जान बचाने के लिए उन्होने बाइक से छ्लांग लगा दी।मौके पर जुटी भीड को देख जहां ट्रैक्टर चालक मौका पाकर भाग निकला वहीं स्थानीय निवासियों ने घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया। सूचना पाते ही स्थानीद्भद्धय थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रैक्टर को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस द्वारा बताया गया कि आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद ली जायेगी और जल्द ही चालक का पता लगाकर आगे की कार्यवाई की जायेगी।

सम्पूर्ण समाधान दिवस पर जिलाधिकारी एवं पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने सुनी जन समस्याएँ

कानपुर। सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी कानपुर नगर जितेंद्र प्रताप सिंह व पुलिस उपायुक्त पूर्वी सत्यजीत गुप्ता द्वारा तहसील नर्वल अन्तर्गत जन-सुनवाई की।जन-सुनवाई के दौरान आमजन की समस्याओं को सुना और उनके समाधान हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।जन शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे इन समस्याओं को समयबद्ध तरीके से हल करें। शिकायतों के निस्तारण में देरी न हो, इसके लिए संबंधित पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया गया कि वे त्वरित कार्रवाई करें और शिकायतकर्ता को समाधान की जानकारी दें।आगंतुकों और पीड़ितों से सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए और बैठने के लिए उचित व्यवस्था की जाए। सभी फरियादियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक और धैर्यपूर्वक सुना जाए व शीघ्र निस्तारण किया जाए। स्थानीय स्तर पर बार-बार आने वाली समस्याओं को प्राथमिकता से निपटाने को कहा गया।

श्री हंस मंदिर आश्रम में योग प्रशिक्षण शिविर का किया गया आयोजन

कानपुर। मानव उत्थान सेवा समिति के तत्वाधान में श्री सतपाल जी महाराज की प्रेरणा से श्री हंस मंदिर आश्रम में आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। योग शिविर का शुभारंभ श्री हंस मंदिर प्रभारी साध्वी चंदन बाई साध्वी प्रज्ञा बाई द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।योग प्रशिक्षक योगाचार्य शैलेंद्र पाल ने आश्रम परिसर में उपस्थित लोगों को योगिक सूक्ष्म क्रियाएं एवं ताड़ासन, कोणासन अर्ध चक्रासन, भद्रासन , भुजंगासन पवनमुक्तासन, उत्तानपादासन, एवं कपालभाति प्राणायाम, अनुलोम विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम व ध्यान का अभ्यास कराया गया। योगाचार्य ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा की योग जीवन के रहस्य को जानने का विज्ञान है जो शरीर आत्मा और मन के स्तर पर समरस रूप में जीवन जीने की कला है। योगासन इसका बाहरी व स्थूल रूप है।योग करने से हमारा शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक व चारित्रिक विकास होता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से योग प्रशिक्षक ग्रीस सिंगारी, योग प्रशिक्षक शिखा वर्मा, योगाचार्य अमित यादव, फार्मासिस्ट ओम नारायण साहू, दीपक गुप्ता, श्रीकांत मिथिलेश सोनी, माया दीक्षित आदि लोगों का विशेष योगदान रहा।

हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद भी ब्लॉक-8 पार्क पर कार्रवाई नहीं, शासन पहुंची शिकायत

केस्को द्वारा विवादित संरचना को विद्युत संयोजन दिए जाने पर भी उठे सवाल

बीपीएस न्यूज़

कानपुर। गोविन्द नगर के ब्लॉक-8 स्थित रामदेवी आर्य पार्क का मामला अब शासन स्तर तक पहुंच गया है। पार्क पर हुए अतिक्रमण, कंक्रीट निर्माण, धार्मिक संरचनाओं के विस्तार तथा माननीय उच्च न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में कथित शिथिलता को लेकर नगर विकास मंत्री कार्यालय ने मामले को प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग को अग्रिम कार्रवाई हेतु प्रेषित कर दिया गया है।

जनहित याचिका संख्या 1023/2026 के याचिकाकर्ता एवं गोविन्द नगर व्यापार मंडल के अध्यक्ष प्रकाश वीर आर्य द्वारा भेजे गए विस्तृत प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि नगर निगम एवं केडीए के अभिलेखों में सार्वजनिक पार्क एवं ओपन स्पेस के रूप में दर्ज भूमि पर वर्षों से अवैध कब्जे और निर्माण कार्य होते रहे, लेकिन संबंधित विभाग प्रभावी कार्रवाई करने के बजाय प्रकरणों का निस्तारण कागजों तक सीमित रखते रहे। उल्लेखनीय है कि इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 22 अप्रैल 2026 को पारित आदेश में ब्लॉक-8 स्थित पार्क में हुए निर्माण कार्यों पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा था कि जिस भूमि को पार्क एवं खेल मैदान के रूप में सुरक्षित रखा गया हो, वहां निर्माण और अतिक्रमण किस प्रकार होने दिया गया।न्यायालय ने संबंधित प्राधिकरणों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि पार्कों और खुले स्थानों को अतिक्रमण मुक्त रखा जाए तथा किए गए अतिक्रमणों को हटाकर उन्हें उनके मूल स्वरूप में बहाल किया जाए। प्रकाश वीर आर्य का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश की प्रति 29 अप्रैल को जिलाधिकारी कार्यालय में प्राप्त कराए जाने के बावजूद अब तक पार्क को अतिक्रमण मुक्त कराने अथवा उसके मूल स्वरूप की बहाली के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इसके विपरीत पार्क क्षेत्र में नई गतिविधियों और कब्जों की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

विवादित धार्मिक संरचना पर नया विद्युत संयोजन कर दिया गया स्थापितप्रकरण का एक और गंभीर पहलू तब सामने आया जब केस्को को लिखित शिकायत और न्यायालयीय आदेशों की जानकारी दिए जाने के बावजूद पार्क में स्थित विवादित धार्मिक संरचना पर नया विद्युत संयोजन स्थापित कर दिया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सार्वजनिक पार्क की विवादित भूमि

पर स्थित संरचनाओं को सरकारी सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने से अवैध कब्जों को अप्रत्यक्ष संरक्षण मिलता है तथा भविष्य में ऐसे कब्जों को स्थायित्व प्रदान करने का आधार तैयार होता है। प्रकरण की जांच कराने तथा जिम्मेदार अधिकारियों एवं अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है।

सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था परयह होगा गंभीर प्रश्नचिह्न

नगर विकास मंत्री कार्यालय द्वारा मामले को प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग को भेजे जाने के बाद अब क्षेत्रीय नागरिकों की निगाहें शासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि हाईकोर्ट के आदेशों और शासन स्तर पर संज्ञान लिए जाने के बाद भी पार्क को उसका मूल स्वरूप नहीं मिल पाता, तो यह सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न होगा।

शादी कराने के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले फर्जी मैट्रिमोनियल कॉल सेंटर का पुलिस ने किया पर्दाफाश

बीपीएस न्यूज़

कानपुर। साइबर क्राइम थाना कानपुर नगर ने शादी कराने के नाम पर ऑनलाइन ठगी करने वाले फर्जी मैट्रिमोनियल कॉल सेंटर का पर्दाफाश करते हुए एक मुख्य अभियुक्त को गिरफ्तार किया तथा 23 टेलीकॉलर्स से पूछताछ की जा रही है। गिरोह सोशल मीडिया व मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म से लोगों का डेटा लेकर फर्जी महिला प्रोफाइल, ࠀढ्ढ से संपादित फोटो एवं महिला टेलीकॉलर्स के माध्यम से विश्वास अर्जित कर विभिन्न शुल्कों के नाम पर ऑनलाइन धनराशि वसूलता था। कार्रवाई के दौरान मोबाइल फोन, कंप्यूटर सिस्टम, बैंकिंग दस्तावेज, एटीएम कार्ड, क्यूआर कोड सहित बड़ी मात्रा में डिजिटल एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य बरामद किए गए। प्रकरण में अन्य अभियुक्तों एवं वित्तीय लेन-देन की जांच जारी है।

फोन पर प्रेमी ने कहा- 'पति का काम कर दो तमाम' फिर क्या था पत्नी ने चाकू से गोद डाला, हुई मौत

बीपीएस न्यूज़

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई, जहां पत्नी ने प्रेमी के उकसाने पर अपने पति को चाकू से गोद डाला, जिससे शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया, इसके बाद 11 दिन तक इलाज के बाद पति की मौत हो गई। ये घटना फीलखाना इलाके की है। यात्राकी गाइड और यात्रा की जानकारी

मृतक मनीष गुप्ता की उम्र 45 साल थी, पत्नी निहारिका से 9 साल पहले लव मैरिज की थी, दोनों का 6 साल का बेटा रियांश भी है। परिजनों की मानें तो पिछले तीन साल से निहारिका का जम्मू के एक युवक से फेसबुक पर अफेयर चल रहा था। मनीष जब इस बात का विरोध करते तो घर में झगड़े होते थे।

जिस दिन चाकू से वार किया उस दिन पत्नी निहारिका अपने प्रेमी से फोन पर बात कर रही थी। लेकिन मनीष ने उन्हें पकड़ लिया तो दोनों में बहस शुरू हो गई। इसी दौरान निहारिका ने सब्जी काटने वाला चाकू उठाया और मनीष के पेट में कई वार कर दिए।

मनीष परिवार का इकलौता बेटा था, उनके पिता रामकिशोर गुप्ता कपूर सप्लाई का काम करते हैं, मनीष किराना बाजार में ब्रोकर थे और बाद में अपना बिजनेस शुरू किया था। घटना के समय चीख सुनकर परिवार वाले दौड़े आए, मनीष खून से लथपथ पड़े थे। उन्हें पहले लोकल अस्पताल ले जाया गया, फिर हैलट (एलएलआर) अस्पताल रेफर किया गया।

हैलट अस्पताल में होश आने पर मनीष ने बताया कि चाकू मारते समय निहारिका फोन पर अपने प्रेमी से बात कर रही थी। प्रेमी ने चीख सुनकर कहा था- 'पति का काम तमाम कर दो'। फिलहाल पुलिस ने मनीष के पिता की शिकायत पर निहारिका कश्यप के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं आगे की जांच की जा रही है। ये घटना पारिवारिक रिश्तों और अफेयर की वजह से होने वाली हिंसा को उजागर करती है। पुलिस का कहना है कि सबूतों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

योग सप्ताह के प्रथम दिन नानाराव पार्क में हुआ सामूहिक योगाभ्यास, जिलाधिकारी ने किया शुभारंभ

बीपीएस न्यूज़

कानपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित ÷योग सप्ताह÷ (15 से 21 जून 2026) के अंतर्गत सोमवार को नानाराव पार्क में नगर जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सामूहिक योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी श्री जितेंद्र प्रताप सिंह ने किया।जिलाधिकारी ने कॉमन योग प्रोटोकॉल के अनुसार योगाभ्यास करते हुए उपस्थित लोगों को नियमित रूप से योग अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ÷करो योग, रहो निरोग÷ केवल एक नारा नहीं, बल्कि स्वस्थ एवं संतुलित जीवन का आधार है। योग व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ रखने का प्रभावी माध्यम है। यदि इसे दैनिक जीवनचर्या का हिस्सा बनाया जाए तो अनेक बीमारियों से बचाव संभव है तथा जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से आह्वान किया कि आगामी 21 जून 2026 को ग्रीन पार्क स्टेडियम में आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग कर योग के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करें तथा स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएं।कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्री अभिनव जैन, अपर जिलाधिकारी नगर सहित प्रशासन एवं आयुष विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, योग प्रशिक्षक, विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे और सामूहिक योगाभ्यास में सहभागिता की।

हत्या की आशंका, पुलिस ने शुरू की जांच

बीपीएस न्यूज़

कानपुर। 16 जून 26 को महाराजपुर थाना क्षेत्र में कानपुर प्रयागराज हाइवे पर स्थित न्यू जेके ढाबा के पास एक अज्ञात शव मिलने की सूचना मिली थी। सूचना पर पुलिस बल एवं फॉरेन्सिक टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण एवं पंचायतनामा भर कर शव को मोर्चरी भेज दिया था।पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने बताया शव के शिनाख्त के प्रयास किये जा रहे थे। 17 जून 26 को शव की शिनाख्त गोलू सिंह पुत्र स्व. गोपाल सिंह, निवासी ग्राम हाथीपुर, थाना महाराजपुर, उम्र लगभग 28 वर्ष के रूप में हुई। परिजनों द्वारा हत्या कर शव फेंक देने की आशंका जताई एवं तहरीर दी जिसके आधार पर पुलिस द्वारा सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही एवं विवेचना की जा रही है।

बीपीएस न्यूज़
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।